FDDI

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

एफडीडीआई अधिनियम 2017 के अन्तर्गत एक
राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई)

वार्षिक प्रतिवेदन

2021-22

एफडीडीआई अधिनियम 2017 के अन्तर्गत एक
राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई)

भारत में
एफडीडीआई के परिसर

एफ.डी.डी.आई.

ध्येय

''हमारे प्रयास उस दिशा में होंगे, जो हमारे उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता, प्रतिक्रिया और लागत प्रभावशीलता के कारण इस संस्थान को फैशन, डिजाइन, प्रौद्योगिकी और खुदरा प्रबंधन के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी बनाता है।''

''भारत को दुनिया में फुटवियर डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के लिए अग्रणी केंद्र बनाने के हमारे प्रयास में, हम भारतीय उद्योग के लिए डिजाइन, विकास, उत्पादन और सहायता सेवा के लिए उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे।''

एफ. डी. डी. आई. के द्वारा डिजाइन और प्रशिक्षण में

वैश्विक हस्तक्षेप

विषय-वस्तु

पृष्ठ सं.

1. अध्यक्ष का संदेश	04
2. प्रबंध निदेशक का संदेश	05
3. धन्यवाद ज्ञापन	06
4. सूचना	07
5. शासी परिषद् के सदस्यों की सूची	08
6. एफडीडीआई का परिचय और परिसरों के बारे में	09
7. प्रदर्शन झलकियां	23
8. मील के पत्थर	33
9. भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट	104
10. वित्तीय रिपोर्ट	111

अध्यक्ष का संदेश

मुझे आपको यह बताते हुए अपार खुशी हो रही है कि फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) जिसके देश भर में बारह कैंपस हैं, शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार कर रहा है और एक 'राष्ट्रीय महत्व के संस्थान' के रूप में इसे हासिल करने और उम्मीदों को पूर्ण करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है।

एफडीडीआई की यह वार्षिक रिपोर्ट इसके द्वारा की गई व्यावसायिक गतिविधियों को दर्शाती है और वित्त वर्ष २०२१-२२ के दौरान उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और प्रशिक्षण सेवाओं को प्रदान करने और समर्थन करने के लिए उपयोग किए गए संसाधनों के बारे में जानकारी प्रदान करती है, जो इसे कई मामलों में एक महत्वपूर्ण वर्ष बनाती है।

'डिजिटल क्लासरूम' सुविधा की स्थापना, मौजूदा पाठ्यक्रम को उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप लाना, चमड़ा, फैशन, फुटवियर और खुदरा उद्योगों के पेशेवरों के सहयोग से वेबिनार, सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन, पासिंग आउट बैच २०२१-२२ के लिए अंतिम नियुक्ति, अंतर्राष्ट्रीय परामर्श रणनीति आदि इस तथ्य के साक्षी हैं कि संस्थान निरंतर पूर्णता के पथ पर अग्रसर है और उद्योग जगत के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है।

ये मील के पत्थर एफडीडीआई के प्रबंध निदेशक, श्री अरुण कुमार सिन्हा, भा.प्र.से. के कुशल मार्गदर्शन में टीम वर्क के रूप में एफडीडीआई के सभी कर्मचारियों के समर्पण और अथक योगदान से हासिल किए गए हैं।

इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उद्योग से प्रेरणा और सरकार द्वारा निरंतर समर्थन हमारे लिए हमेशा मुख्य मार्गदर्शक रहा है।

मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने इन उत्कृष्ट कार्य को पूरा करने में हमारी मदद की है और मैं पूर्णतः आशावादी हूं कि एफडीडीआई को न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में बेहतरीन संस्थान बनाने के साथ साथ हमारे विकास के अगले चरण के लिए लिए भी उनका सहयोग और समर्थन मिलता रहेगा ।

आशीष दीक्षित
अध्यक्ष,
एफडीडीआई, शासी परिषद (जी.सी)

प्रबंध निदेशक का संदेश

अत्यंत ही गर्व और गहरी कृतज्ञता के भाव के साथ, मैं आपके लिए वित्त वर्ष २०२१-२२ का फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना चाहता हूं।

हमने प्रमुख उद्योग भागीदारों में से एक के रूप में और चमड़ा, फैशन, फुटवियर एवं खुदरा उद्योगों से संबंधित प्रतिभा अधिग्रहण के लिए एक पसंदीदा सोर्सिंग गंतव्य के रूप में अपनी पहचान तथा स्थिति को बनाए रखने के लिए बहुत ही लगन और परिश्रम से काम किया है।

मैं आपके साथ वित्त वर्ष २०२१-२२ के दौरान एफडीडीआई के उत्कृष्ट प्रदर्शन की मुख्य झलकियां, हमारी शानदार यात्रा के कुछ महत्वपूर्ण क्षण और मील के पत्थर एवं हमारे सामरिक विकास लीवर को साझा करना चाहता हूं जो आने वाले वर्षों में एफडीडीआई को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

वित्त वर्ष २०२१-२२ में पिछले वर्ष की तुलना में मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य के कारण वित्तीय प्रदर्शन के संबंध में, एफडीडीआई की लाभप्रदता को पिछले वर्ष १४.६६ करोड़ रु से घटाकर इस साल ४.१५ करोड़ रु प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है।

वित्त वर्ष २०२१-२२ वह वर्ष था जहां हम नवाचारों को अगले स्तर पर ले आए। शैक्षणिक ढांचे को सुव्यवस्थित करने के लिए नए डिजिटल उपकरणों को बड़े ही कुशलता के साथ लागू किया गया।

छात्रों के कौशल और ज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए और छात्रों के कैरियर की प्रगति को सुरक्षित करने के लिए संस्थान द्वारा पूरे वर्ष सेमिनार और वेबिनार आयोजित किए गए।

हमने पारदर्शी तरीके से परीक्षण और निरीक्षण में सुधार के लिए नई उन्नत मशीनों के साथ नोएडा और चेन्नई प्रयोगशालाओं का पुनर्गठन किया है ताकि उद्योग जगत एफडीडीआई के अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी) की सेवाओं के माध्यम से अधिक से अधिक लाभान्वित हो सके।

मुझे यह सूचित करते हुए अत्यधिक खुशी हो रही है कि एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, डिजाइन और डेटा विश्लेषण में एआई एप्लिकेशन, नवीनतम सहफ्टवेयर और संवर्धित वास्तविकता एप्लिकेशन, डिजिटल एंटरप्राइज जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए एफडीडीआई ने अपने कुछ परिसरों में विभिन्न उद्योग कार्यक्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित करके फुटवियर क्षेत्र के लिए उद्योग ४.० एप्लिकेशन की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है।

ये सीओई विभिन्न क्षेत्रों में बनाए गए हैं जैसे कि एफडीडीआई रोहतक - गैर-चमड़े के जूते, उत्पाद और सहायक उपकरण केंद्र, एफडीडीआई जोधपुर - उच्च प्रदर्शन ६ विशिष्ट जूते और उत्पाद और स्टार्ट अप केंद्र, एफडीडीआई कोलकाता - चमड़े के सामान, वस्त्र और सहायक उपकरण केंद्र, एफडीडीआई चेन्नई - सेंटर फहर डिजाइन, डेवलपमेंट एंड फैब्रिक इंटरफेस, एफडीडीआई हैदराबाद - सेंटर फहर डिजाइन, डेवलपमेंट एंड फैब्रिक इंटरफेस फहर लेदर प्रोडक्ट्स एंड एक्सेसरीज - एक्सटेंडेड और एफडीडीआई पटना - सेंटर फहर लेदर फिनिशिंग इनोवेशन एंड प्रोडक्ट रिटेलिंग केंद्र।

ये सीओई अत्यधिक आवश्यक अनुसंधान एवं विकास प्रदान करेंगे और उत्पाद विकास, तकनीकी सहायता एवं उष्मायन और उद्यमिता विकास के लिए केंद्र जैसी उद्योग जगत की चिंताओं को दूर करेंगे। इन सीओई से उभरती प्रौद्योगिकियों में ज्ञान के आधार की गंभीर कमी को दूर करने के लिए विशेषज्ञता के विशिष्ट क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास क्षमताएं बनाने की भी उम्मीद है।

ये मजबूत संरचना भविष्य के लिए तैयार दृष्टिकोण के साथ जुड़े हुए हैं, जो आने वाले समय के लिए हमें सशक्त बनाता है।

मैं अपने कर्मचारियों को उनके समर्पित प्रयासों, प्रतिबद्धता, रचनात्मक सहयोग और संस्थान की विकास प्रगति की यात्रा में समर्थन देने के लिए प्रशंसा करता हूं जिसने हमें भविष्य के लिए इतनी अच्छी स्थिति मे पहुंचाया है।

मैं माननीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, दोनों माननीय राज्य मंत्री, वाणिज्य और उद्योग, सचिव (डीपीआईआईटी), अपर सचिव (डीपीआईआईटी), संयुक्त सचिव (डीपीआईआईटी), सचिव (वाणिज्य), संयुक्त सचिव (वाणिज्य), मंत्रालय के अन्य अधिकारियों और शासी परिषद को उनके मार्गदर्शन और एफडीडीआई की गतिविधियों में गहरी दिलचस्पी लेने के लिए धन्यवाद देता हूँ, जिसने हमें अपने संस्थागत उद्देश्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाया है।

अरुण कुमार सिन्हा, भा.प्र.से.
प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई

धन्यवाद ज्ञापन

शासी परिषद (जी.सी.) माननीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, (भारत सरकार), श्री पीयूष गोयल जी को उद्योग के अनुकूल नीतियों को तैयार करने में उनकी विभिन्न पहलों और उनका जूते और चमड़ा उधोग के लिए निरंतर समर्थन के लिए अपना आभार व्यक्त करती है।

शासी परिषद (जी.सी.) श्री सोम प्रकाश, माननीय राज्य मंत्री, वाणिज्य और उद्योग और सुश्री अनुप्रिया पटेल, माननीय राज्य मंत्री, वाणिज्य और उद्योग (भारत सरकार) का फुटवियर और चमड़ा उद्योग को प्रदान की जाने वाली सदा एक समान सहायता प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त करती है।

शासी परिषद (जी.सी.) भारतीय फुटवियर और चमड़ा उद्योग को उनके समर्थन के लिए माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को धन्यवाद व आभार व्यक्त करती है।

शासी परिषद (जी.सी) उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के प्रति आभार व्यक्त करता है और विशेष रूप से श्री अनुराग जैन, आईएएस, सचिव, डीपीआईआईटी जिन्होंने एफडीडीआई को चमड़ा और फुटवियर उद्योग को बढ़ावा देने और सहयोग और सहायता के लिए विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए धन्यवाद देता है।फुटवियर उद्योग और एफडीडीआई को दिए गए सहयोग और सहायता के लिए।

शासी परिषद श्री राजीव सिंह ठाकुर, आईएएस, अतिरिक्त सचिव, डीपीआईआईटी को एफडीडीआई को दिए गए उनके नियमित मार्गदर्शन, सहयोग और सहायता के लिए और इस क्षेत्र को बढ़ावा देने में विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए आभार व्यक्त करता है।

शासी परिषद एफडीडीआई को दिए गए सहयोग और सहायता के लिए वाणिज्य विभाग (डीओसी) का आभार व्यक्त करता है और विशेष रूप से श्री बी.वी.आर सुब्रह्मण्यम, आईएएस, वाणिज्य सचिव और सुश्री निधि मणि त्रिपाठी, आईएएस, संयुक्त सचिव, डीओसी को चमड़ा और फुटवियर उत्पाद उद्योग की समस्याओं को हल करने में उनके समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देता है।

शासी परिषद (जी.सी.) एफडीडीआई द्वारा संचालित पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के उन्नयन और छात्रों की नियुक्ति के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव देने व एफडीडीआई की विभिन्न सेवाओं में सुधार के लिए चमड़ा और फुटवियर उद्योग तथा खुदरा क्षेत्र के प्रति आभार व्यक्त करती है। हम भविष्य में भी इसी तरह के सहयोग और सहायता की आशा करते हैं।

जी.सी. वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और अन्य राज्य सरकारों के अधिकारियों और कर्मचारियों को भारतीय चमड़ा और फुटवियर उत्पाद उद्योग को बढ़ावा देने के लिए उनके बहुमूल्य सहयोग और सहायता के लिए धन्यवाद देता है।

NOTICE

Footwear Design & Development Institute,
Ministry of Commerce & Industry, Government of India,
A-10/A, Sector 24, Noida – 201301

From: "ASHISH KUMAR" <ashish@fddiindia.com>
To: "ashish dikshit" <ashish.dikshit@abfrl.adityabirla.com>, "thakurrs" <as-dpiit@gov.in>, "Anil Agrawal" <agrawal.anil@gov.in>, "ANSHU MAULI KUMAR" <amkumar@nic.in>, "Santanu Mitra" <santanu.mitra@nic.in>, "Sanjay Leekha" <chairman@cleindia.com>, chairman@cle.co.in, motilalsethi@saroj.com, sanjaygupta@sandeeprubber.in, "gautam nair" <gautam.nair@matrixclothing.in>, "shinju mahajan" <shinju.mahajan@nift.ac.in>, pnahar@nid.edu, "DIRECTOR CLRI" <director@clri.res.in>, sumer@design.iitd.ac.in, mkdhasan@iimraipur.ac.in, mkdhasan76@gmail.com
Cc: "ARUN KUMAR SINHA, IAS- MANAGING DIRECTOR, FDDI" <md@fddiindia.com>, "Samit Mohapatra" <samit.mohapatra@fddiindia.com>
Sent: Friday, November 25, 2022 12:58:35 PM
Subject: NOTICE FOR 78th MEETING OF GOVERNING COUNCIL (GC) OF FDDI

NOTICE FOR 78th MEETING OF GOVERNING COUNCIL (GC) OF FDDI

REF.No.:FDDI/HO/HR/GC/78 (1)/2022 Date: 25.11.2022

Dear Madam/Sir,

The 78th Meeting of the Governing Council of the Footwear Design and Development Institute (FDDI) has been scheduled to be held on **12.12.2022 (Monday) from 11:00 AM onwards at Marigold Hall, India Habitat Centre**, Lodhi Road, Near Airforce Bal Bharati School, Lodhi Estate, Delhi 110003.

The Agenda of the meeting will be sent separately.

You are requested to kindly make it convenient to attend the meeting as per the scheduled as mentioned above.

शुभकामनाओं सहित - **Thanks & Regards,**

आशीष कुमार - **Ashish Kumar**
प्रबंधक - आर॰सी॰आई॰पी॰ - **Manager (RCIP)**

Item No.	Agenda
78.01	Confirmation of the minutes of the 77th GC meeting held on 22.02.2022
78.02	Annual Audited Statement for the year 2021-22 and Budget Estimate for the year 2022-23 of FDDI
78.03	Constitution of Standing Committee of Governing Council on Audit & Accounts
78.04	Seat matrix for 2023-24
78.05	Fee structure (Tuition Fee & Student Development Fee) for 2023-24; Hostel Fee of Noida
78.06	Scholarship for reserved category
78.07	Scholarship for students passing UG courses from FDDI wanting to pursue masters from FDDI
78.08	FDDI Incentive Scheme for Consultancy works
78.09	FDDI Foreign allowances regulations
78.10	Creation of a post of Director / Joint Director - Technical, CoE to be filled through deputation method (including short-term contract basis).
78.11	Recruitment Rules for certain Administrative support cadre posts for which GC is the approving authority
78.12	FDDI Foreign allowances regulations
78.13	Recruitments made during the year 2019-20 to 2021 – 2022

एफडीडीआई के शासी परिषद् के सदस्य

क्र.सं.	सदस्य का नाम	पद
1.	श्री आशीष दीक्षित अध्यक्ष, एफडीडीआई और प्रबंध निदेशक, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड	अध्यक्ष
2.	श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई	सदस्य (पदेन)
3.	श्री राजीव सिंह ठाकुर, आईएएस, अपर सचिव/संयुक्त सचिव डीपीआईआईटी में(चमड़ा और फुटवियर डिवीजन के प्रभारी)	सदस्य (पदेन)
4.	श्री अनिल अग्रवाल अपर सचिवध्संयुक्त सचिव डीओसी में (ईपीएलएसजी डिवीजन के प्रभारी)	सदस्य (पदेन)
5.	श्री अंशु मौली कुमार निदेशक/उप सचिव, वित्त विंग, डीपीआईआईटी	सदस्य (पदेन)
6.	श्री शांतनु मित्रा वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई)	सदस्य (पदेन)
7.	संजय लीखा अध्यक्ष, चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई)	सदस्य
8.	श्री मोतीलाल सेठी अध्यक्ष,भारतीय चमड़ा परिधान संगठन (आइएलजीए)	सदस्य
9.	श्री संजय गुप्ता अध्यक्ष, इफकोमा	सदस्य
10.	श्री गौतम नायर अध्यक्ष, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई),फुटवियर और चमड़ा उत्पादों पर राष्ट्रीय समिति और सीईओ,कीनू डिजाइन प्रा. लिमिटेड ।	सदस्य
11.	प्रो. डॉ शिंजू महाजन राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) नई दिल्ली	सदस्य
12.	श्री प्रवीण नाहर निदेशक, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी)	सदस्य
13.	डॉ के जे श्रीराम निदेशक, केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान (सीएलआरआई)	सदस्य
14.	प्रो. सुमेर सिंह डिजाइन विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली	सदस्य
15.	डॉ एम कन्नधासन प्रोफेसर, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रायपुर	सदस्य

एफडीडीआई एक परिचय

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) की स्थापना वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष १९८६ में फुटवियर और संबद्ध उत्पाद उद्योगों के विकास और प्रचार के लिए की गई थी।
इन वर्षों में एफडीडीआई ने फैशन, चमड़े के उत्पादों, खुदरा और फैशन व्यापार में शिक्षा का विस्तार कार्य किया।

एफडीडीआई एक्ट, २०१७ के अंतर्गत एक 'राष्ट्रीय महत्व की संस्था' की हैसियत पाने वाला यह संस्थान, उद्योग के लिए तैयार पेशेवरों का निर्माण कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी निभा रहा है, और फुटवियर, चमड़ा तथा संबद्ध उद्योग के लिए 'एक प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाता' के रूप में कार्य कर रहा है।

एफडीडीआई फुटवियर, चमड़ा, फैशन, खुदरा और प्रबंधन के क्षेत्रों में कौशल अंतराल को पाटकर भारतीय उद्योग को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एफडीडीआई अपने विशिष्ट पाठ्यक्रम, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और अनुभवी संकाय के साथ कुशल जनशक्ति की मांग को पूरा करके अप्रयुक्त प्रतिभा, उद्योग और इसके वैश्विक समकक्षों के बीच एक इंटरफेस के रूप में कार्य कर रहा है।

यह नोएडा के साथ अपने १२ अच्छी तरह से डिजाइन किए गए परिसरों के माध्यम से निम्नलिखित दीर्घकालिक कार्यक्रम, फुर्सतगंज, चेन्नई, कोलकाता, रोहतक, छिंदवाड़ा, गुना, जोधपुर अंकलेश्वर, बनूर, पटना और हैदराबाद का संचालन करके उद्योग को प्रशिक्षित मानव संसाधन प्रदान कर रहा है।
संस्थान अपने चार स्कूलों के माध्यम से, स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन और प्रोडक्शन (एसएफडीपी), स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी), स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एसएलजीएडी) और स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (एसआरएफएम) के माध्यम से निम्नलिखित का संचालन करता है :

स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम (पीजी कार्यक्रम)		
क्र.स.	कार्यक्रम का नाम	अवधि
१.	फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन में मास्टर ऑफ डिजाइन (एम.डेस.)	२ वर्ष (४ सेमेस्टर)
२.	रिटेल एवं फैशन मर्चेंडाइज में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)	२ वर्ष (४ सेमेस्टर)
स्नातक डिग्री कार्यक्रम (यूजी कार्यक्रम)		
१.	फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन में बैचलर ऑफ डिजाइन (बी.डेस.)	४ वर्ष (८ सेमेस्टर)
२.	फेशन डिजाइन में बैचलर ऑफ डिजाइन (बी.डेस.)	४ वर्ष (८ सेमेस्टर)
३.	लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (बी.डेस.)	४ वर्ष (८ सेमेस्टर)
४.	रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज मे बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बी.बी.ए.)	३ वर्ष (६ सेमेस्टर)

दीर्घकालिक कार्यक्रमय लंबी अवधि के कार्यक्रमों के अलावा, तकनीकी उन्नयन और क्षेत्र की क्षमता निर्माण के लिए संस्थान, अल्पकालिक उद्योग का विशिष्ट प्रमाणपत्र कार्यक्रम का संचालन भी करता है।

एफडीडीआई अच्छी तरह से शोध और अद्यतन उद्योग उन्मुख पाठ्यक्रम का पालन करता है। यह पद्धति छात्रों को उन्नत शिक्षण सामग्री, इंटर्नशिप के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव, नौकरी परामर्श, प्लेसमेंट गतिविधियों और छात्रों को भविष्य के अधिकारियों में समग्र रूप से तैयार करने की मदद से पेशेवर तरीके से अपने कौशल और महत्वाकांक्षाओं को पोषित करने में मदद करती है।

एफडीडीआई अपने कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च श्रेणी के प्रशिक्षित विशिष्ट पेशेवरों के पोषण के लिए जाना जाता है। संस्थान के पास एक मजबूत पूर्व छात्र आधार और मजबूत उद्योग संबंध है जो की देश के लगभग सभी प्रमुख उद्योग संस्थान से जुड़े हुए हैं और शैक्षणिक मामलों जैसे कार्यक्रम डिजाइन, पाठ्यक्रम उन्नयन, विशेषज्ञता व्याख्यान आदि में महत्वपूर्ण भागीदारी रखते हैं।

एफडीडीआई, (राष्ट्रिय महत्व का संस्थान) बनने के बाद, उधोगों की आवश्यकता के अनुसार स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट और पोस्ट – डॉक्टरेट डिग्री के लिए अपने पाठ्यक्रमों को डिजाइन करने की स्वायत्तता रखता है । इस नए प्रारूप के साथ छात्र उच्च अध्ययन और केंद्र/राज्य सरकार की नौकरियों में आवेदन करने के लिए सक्षम होंगे।

आईएनआई के बाद, एफडीडीआई के पाठ्यक्रम को संकाय सदस्यों द्वारा उधोग के इनपुट के आधार पर उन्नत किया गया है, उद्योग के इनपुट और आगे के अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के आधार पर यह सुनिश्चित करने के लिए कि विभिन्न पाठ्यक्रम उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के हैं।

एफडीडीआई में शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय मानकों को सुनिश्चित करने के लिए, संस्थान ने यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थम्प्टन-यूनाइटेड किंगडम, एआरसुटोरिया स्कूल-मिलान (इटली) जैसे अंतरराष्ट्रीय ख्याति के संस्थानों के साथ अकादमिक गठबंधन किया।

संस्थान को प्रतिष्ठित प्रमाणपत्रों और प्रत्यायन जैसे ISO 17025, डाक्कस जर्मनी द्वारा मान्यता, सातरा प्रौद्योगिकी केंद्र- यूनाइटेड किंगडम, ISO 9001 और ISO 14000 प्रमाणन और एफडीडीआई में अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र के लिए भारतीय मानक प्रमाणन ब्यूरो से सम्मानित किया गया है।

एफडीडीआई ने राष्ट्रीय सीमाओं को पार कर बांग्लादेश, श्रीलंका जैसे एशियाई देशों और इथियोपिया, बोत्सवाना, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका आदि जैसे कई अफ्रीकी देशों में प्रशिक्षण और परामर्श के क्षेत्र में अपने लिए एक जगह बनाई है।

राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (आईएनआई) के रूप में नई क्षमताओं को प्राप्त करने, कौशल विकसित करने और एक बुद्धिमान मानव संसाधन का निर्माण करने के लिए, एफडीडीआई छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को सम्मेलनों, प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

एफडीडीआई परिसरों के बारे में

एफडीडीआई के सभी परिसरों में अच्छी तरह से डिजाइन किए गए उद्योग उन्मुख पाठ्यक्रम वाले पेशेवर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जो विश्व स्तरीय मशीनरी और उपकरणों और प्रशिक्षण के साथ समर्थित सिद्धांत और व्यवहार का एक अच्छा संयोजन है। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी और तुलनीय बने रहने में मदद करता है।

एफडीडीआई परिसरों को समग्र विकास के जनादेश के अनुरूप ठोस संरचना और प्राकृतिक परिवेश के बीच संतुलन रखते हुए विकसित किया गया है।

हर त्योहार और सामाजिक आयोजन को जिस उत्साह के साथ मनाया जाता है, वह एफडीडीआई समुदाय में घनिष्ठ संबंध का प्रतिबिंब है। एफडीडीआई द्वारा आयोजित फैशन शो बहुत लोकप्रिय हैं।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर

प्रशिक्षित मानव संसाधन की मांग में वृद्धि से प्रेरित होकर, जो समकालीन भारत के भाग्य को आकार देने और जूते, चमड़े के सामान और उभरते विपणन क्षेत्र के क्षेत्र में शेष दुनिया के साथ देश के हितों के सामंजस्य के लिए अपेक्षित थे, उसको पूरा करने के लिए इस परिसर की स्थापना वर्ष १९९६ में की गई थी।

यह ९ एकड़ भूमि क्षेत्र में फैले परिसर में हरे-भरे आवरण के साथ सफेद गुंबद की संरचना है। प्रकाश और मजबूत छाया की शक्तिशाली किरणें एक नाटकीय और शांत वातावरण बनाती हैं, जिसने छात्रों में विनम्रता बनाए रखते हुए उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है।

व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए एफडीडीआई के पास अत्याधुनिक मशीनरी और उपकरणों से लैस कटिंग, क्लोजिंग, कंपोनेंट्स, लास्टिंग, फिनिशिंग ऑपरेशन के लिए एक पूर्ण कार्यशाला है। इसमें उत्पाद विकास केंद्र (पीडीसी), पुस्तकालय, कक्षाएं, सूचना प्रौद्योगिकी सेवा केंद्र (आईटीएससी), अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी) आदि भी हैं।

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर

यह परिसर चेन्नई से ४० मिनट की ड्राइव पर सिपकोट फुटवियर और कंपोनेंट पार्क के पास इरुंगट्टुकोट्टई में स्थित है। सबसे आकर्षक परिसर क्षेत्र १५ एकड़ भूमि में फैला हुआ है, जो शांत और शांत झील के दृश्य में स्थित है, जो कांचीपुरम, तिरुवल्लूर और श्रीपेरंबदूर जैसे प्राचीन कला शहरों से घिरा हुआ है।

यह परिसर एडमिन ब्लॉक, वर्कशॉप बिल्डिंग, रिटेल ब्लॉक, रिसोर्स सेंटर, बॉयज एंड गर्ल्स हॉस्टल और स्टाफ क्वार्टर सहित ४ लाख वर्ग फुट से अधिक का निर्मित क्षेत्र वाला परिसर है। परिसर का एक उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा और आधुनिक सुविधाएं, विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के संचालन में सहायता करती हैं। एक हाई-टेक कंप्यूटर लैब और डिजाइन स्टूडियो, अच्छी तरह से सुसज्जित और केंद्रीय रूप से हवा वातानुकूलित भवन, क्लास रूम और लेक्चर हॉल के लिए, नवीनतम मल्टीमीडिया ऑडियो वीडियो, शिक्षण के लिए शैक्षिक सहायता और पूरी तरह से सुसज्जित सभागार है।

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर

एफडीडीआई का यह पूर्ण परिसर कृषि विश्वविद्यालय और अंबेडकर स्कूल से दो तरफ से घिरा हुआ है और सामने जोधपुर को

नागौर/बीकानेर से जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग ६५ है। यह कैंपस १५ एकड़ जमीन में फैला हुआ है।

एफडीडीआई जोधपुर में अत्याधुनिक मशीनरी और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, स्मार्ट क्लास रूम, नवीनतम मशीनों और उपकरणों के साथ कार्यशालाएं, हाई-टेक आईटी लैब, पुस्तकालय, लड़कों और लड़कियों के लिए छात्रावास आदि शामिल हैं।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ परिसर

यह एफडीडीआई परिसर राष्ट्रीय राजमार्ग ०७, चंडीगढ़-पटियाला राजमार्ग, बनूर, जिला के पास स्थित है। ७.२ एकड़ भूमि में फैला हुआ यह परिसर अत्याधुनिक आवास और इमारतों के साथ चंडीगढ़/मोहाली शहर के संस्थागत क्षेत्र के केंद्र में स्थित है।

पर्याप्त वातानुकूलित कक्षाओं, आधुनिक अत्याधुनिक मशीनरी से लैस तकनीकी कार्यशालाओं के अलावा, इसमें सम्मेलन हॉल, सेमिनार हॉल, सभागार, आईटीएससी, डिजाइन स्टूडियो, सीएडी-सीएएम प्रयोगशाला और डिजिटल ई-लाइब्रेरी है।

एफडीडीआई, रोहतक परिसर

एफडीडीआई रोहतक परिसर १७ एकड़ भूमि में फैला हुआ है और उद्योग की डिजाइन और फैशन संबंधी आवश्यकता पर गहन रूप से ध्यान केंद्रित कर रहा है।

हरियाणा में लेदर और फुटवियर क्लस्टर में काफी संभावनाएं हैं। हरियाणा के वर्तमान क्लस्टर जैसे बहादुरगढ़, फरीदाबाद, करनाल और अंबाला आदि तेजी से विस्तार कर रहे हैं और भविष्य का वादा कर रहे हैं और यह संस्थान उनकी विकास प्रक्रिया में उत्प्रेरक के रूप में काम कर रहा है।

एफडीडीआई रोहतक केंद्र डिजाइन, फैशन और रुझान पूर्वानुमान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के क्षेत्र में उद्योग को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करता है ताकि भारतीय उद्योग वैश्विक बाजार में डिजाइन, लागत, गुणवत्ता और वितरण आदि के मामले में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकें।

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर

भारत में चमड़ा उद्योग के समग्र विकास के लिए प्रशिक्षित पेशेवर और अन्य तकनीकी सेवाओं की सख्त आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, कोलकाता लेदर कॉम्प्लेक्स, कोलकाता में एफडीडीआई का एक केंद्र स्थापित किया गया है।

कोलकाता अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। एक ओर चमड़े की डिजाइनिंग और दूसरी ओर निर्यात में कांथा सिलाई के साथ, कोलकाता ने हमेशा फैशन और जीवन शैली की दुनिया में अपनी उपस्थिति दर्ज की है।

कोलकाता चमड़े के सामान और सहायक उपकरण का केंद्र होने के नाते, यह परिसर संस्थान द्वारा प्रशिक्षित जनशक्ति के माध्यम से एक प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए जूते के डिजाइन, खुदरा और व्यापारिक कार्यक्रमों के साथ चमड़े के सामान और सहायक उपकरण के डिजाइन पर गहन रूप से ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह कैंपस १५ एकड़ जमीन में फैला हुआ है।

एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर

एफडीडीआई–फुर्सतगंज परिसर, ६.४ एकड़ भूमि के क्षेत्र मे इंदिरा गांधी उड़ान अकादमी, फुर्सतगंज, सी.एस.एम. नगर में स्थित है। यह उत्तर प्रदेश, लखनऊ से ८० मिनट की ड्राइव दूरी पर है।

अत्यंत सुविधापूर्वक सुसज्जित परिसर मे फूटवेयर और चमड़े के सामान उत्पाद डिजाइन, खुदरा प्रबंधन और फैशन मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र मे ऊधोग के लिए प्रशिक्षण और उच्च स्तरीय सेवाओं के अंतरराष्ट्रीय मानकों को सुनिश्चित करता है।

चमड़े के उत्पादों और जूतों के लिए कानपुर और उन्नाव समूह काफी विकसित हैं। खुदरा क्षेत्र में लखनऊ और कानपुर के क्षेत्र बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं जो एफडीडीआई को गुणात्मक वैश्विक करियर की तलाश करने वाले इच्छुक युवाओं के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाता है।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर

छिंदवाड़ा का एफडीडीआई परिसर इमलिखेड़ा, छिंदवाड़ा, मध्यप्रदेश मे छिंदवाड़ा नागपुर रोड पर २० एकड़ एरिया मे फैला हुआ है ।

यह संस्थान उन लोगों की सहायता करने में सक्षम है जो अपना खुद का उद्योग स्थापित करना चाहते हैं और संगठन को व्यवसाय बढ़ाने में मदद करना चाहते हैं।

एफडीडीआई, गुना परिसर

एफडीडीआई का यह परिसर ग्राम महाराजपुरा पंचायत, हरिपुर, ग्राम पुरापोसर रोड, जिला गुना, मध्य प्रदेश में २० एकड़ भूमि क्षेत्र में स्थित है।

गुना में एफडीडीआई परिसर की परिकल्पना उद्योग में प्रशिक्षित जनशक्ति की तीव्र कमी को पूरा करने के लिए प्रबंधकों, डिजाइनरों, पर्यवेक्षकों और खुदरा पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से की गई है।

एफडीडीआई, पटना परिसर

एफडीडीआई का यह पटना परिसर, प्लॉट नं बी-६(पी) मेगा इंडस्ट्रियल पार्क, बिहटा, पटना में स्थित है, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना, बिहार से ३० मिनट की दूरी पर स्थित है।

इस परिसर में फुटवियर तकनीक और प्रबंधन, चमड़ा का सामान और अन्य सामग्रियों की डिजाइन, निर्माण और खुदरा प्रबंधन से जुड़े विषयों पर शिक्षा देने हेतु उन्नत संसाधन मौजूद है।

एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर

एफडीडीआई का यह परिसर गुजरात राज्य के भरूच जिले में सूरत के बगल में NH-8 मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग के निकट ईएसआईसी अस्पताल, जीआईडीसी , अंकलेश्वर औद्योगिक एस्टेट के पास प्लॉट नंबर H-3301 पर स्थित है।

१० एकड़ भूमि क्षेत्र में फैले परिसर में फुटवियर प्रौद्योगिकी और प्रबंधन, चमड़े के सामान और सहायक उपकरण डिजाइन निर्माण और खुदरा प्रबंधन के क्षेत्र में अत्याधुनिक केंद्र है।

एफडीडीआई अंकलेश्वर परिसर में इंटरैक्टिव और व्यावहारिक उन्मुख प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए विनिर्माण प्रौद्योगिकी के प्रत्येक क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में विशेष कार्यशालाओं के साथ स्मार्ट क्लास रूम बनाए गए हैं।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर

एफडीडीआई का यह परिसर तेलंगाना राज्य चमड़ा उद्योग प्रचार निगम (TSLIPC) निलेक्स परिसर, HS दरगाह में १४ एकड़ भूमि क्षेत्र में स्थित है। इसका पता है- गच्चीबौली, बीदर-हैदराबाद रोड, हैदराबाद, तेलंगाना।

यह आईटी उद्योग इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी (एचसीयू), गचीबोवली स्टेडियम जैसे शैक्षणिक संस्थानों से घिरे शहर मे अवस्थित है। और फिल्म नगर, बंजारा हिल्स और जुबली हिल्स आदि जैसे टाउनशिप की भी मांग है।

परिसर में फुटवियर और संबद्ध उत्पाद उद्योगों के विकास और प्रचार के लिए प्रशिक्षण और सेवाओं के अंतरराष्ट्रीय मानकों को सुनिश्चित करने के लिए समर्थन सुविधाओं के साथ-साथ अत्याधुनिक प्रशिक्षण के लिए बुनियादी ढांचा यहाँ है।

संकाय

एफडीडीआई के संकाय में फुटवियर, फैशन डिजाइन, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और खुदरा के क्षेत्र में जबरदस्त ज्ञान के साथ विषय-वस्तु विशेषज्ञ शामिल हैं, जिन्होंने भारत और विदेशो मे कुछ प्रमुख संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

इन संकायों के पास उद्योगों को परामर्शी कार्य करने का व्यावहारिक अनुभव है। भारत और भारतीय उप-महाद्वीप और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में फुटवियर उद्योग को उत्पादकता, उत्पाद विकास और उनकी समस्याओं को हल करने में सहायता करने के लिए है।

विजिटिंग फैकल्टी में फैशन डिजाइन, फुटवियर डिजाइन और प्रोडक्शन मैनेजमेंट, विजुअल मर्चेंडाइजिंग और रिटेल के क्षेत्र से उद्योग के शीर्ष पेशेवर शामिल हैं।

इसके निर्देश के तरीके इंटरैक्टिव लर्निंग सिस्टम पर आधारित हैं।

कक्षा के कमरे

एफडीडीआई परिसरों में कक्षाएं न केवल माहौल बनाने के लिए बनाई गई हैं, अपितु यह सीखने के लिए अनुकूल हैं और ज्ञान की खोज को पोषित करने के लिए हैं

अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी)

एफडीडीआई के दो अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी) हैं- एक उत्तर भारत (नोएडा) में और दूसरा दक्षिण भारत (चेन्नई) में। आईटीसी नोएडा को सातरा (SATRA), यूनाइटेड किंगडम (यूके), और भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा मान्यता प्राप्त है। आईटीसी चेन्नई को भी सातरा यू.के से मान्यता प्राप्त है।

सभी केंद्र चमड़े और चमड़े के उत्पादों- जूते (सुरक्षा, फैशन और खेल), जूते के घटक, कपड़ा उत्पाद और प्लास्टिक आदि के परीक्षण में माहिर हैं। एफडीडीआई का आईटीसी भारत में एकमात्र प्रयोगशाला है जिसे EN ISO 20344 2011,20345: 2011,20346: 2014 मानदंडों के अनुसार प्रतिबंधित रसायनों और सुरक्षा जूते परीक्षणों के लिए डाककस, जर्मनी द्वारा ISO17025 प्रमाणित किया गया है।

SATRA GOLD MEMBER

MEMBER OF cads DEFINED STANDARDS FOR SHOE PRODUCTION

SATRA Accredited Laboratory

इसे ISO 9001 और ISO 14001 से भी सम्मानित किया गया है और इसके द्वारा अनुमोदित है:

1. भारतीय मानक ब्यूरो
2. जनरल मोटर्स
3. डीजीएक्यूए राइट्स
4. डीजीएस एंड डी, भारत

आईटीसी के पास पूरी तरह से रासायनिक और भौतिक प्रयोगशालाएँ हैं, जहाँ सभी प्रकार के रसायन और भौतिक परीक्षण जैसे AZO, PCP; फॉर्मलडिहाइड, स्लिप रेसिस्टेंस हाइड्रोलिसिस आदि दिए गए टर्न अराउंड टाइम (TAT) के भीतर किए जाते हैं। भौतिक प्रयोगशाला की स्थापना यूएनडीपी सहायता के तहत बैल्ली स्विटजरलैंड के सहयोग से की गई थी।

रासायनिक प्रयोगशाला की स्थापना पीएफआई, जर्मनी के तकनीकी सहयोग से की गई है और यह एशिया की अग्रणी परीक्षण प्रयोगशाला है। दोनों प्रयोगशालाओं में अत्याधुनिक परीक्षण उपकरण हैं, जो विधिवत स्थापित हैं और सबसे अधिक मांग वाले उद्योग मानकों के अनुरूप हैं

रासायनिक प्रयोगशाला उच्च निष्पादन तरल क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी), यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोमीटर, मास स्पेक्ट्रोमीटर (जीसी-एमएस) के साथ युग्मित गैस क्रोमैटोग्राफी, मास स्पेक्ट्रोमीटर (आईसीपी-एमएस), ईसीडी के साथ गैस क्रोमैटोग्राफी जैसे परिष्कृत उपकरणों से सुसज्जित है।

प्रयोगशाला में परीक्षण ग्राहक की आवश्यकता के आधार पर विभिन्न मानकों के अनुसार किए जाते हैं। इन केंद्रों पर विश्वसनीयता और प्रामाणिकता का पैमाना बना हुआ है।

इन प्रयोगशालाओं के माध्यम से, यह रीबॉक जैसे प्रमुख ब्रांडों को परीक्षण सेवाएं प्रदान करता है। साथ ही साथ नाइके, एडिडास, प्यूमा, फिला, बाटा, लिबर्टी, रेड चीफ, खादिम, पैरागॉन, सुपर हाउस, स्केचर्स जैसे अन्य बहुत से प्रमुख संस्थानों को सेवा दी जाती है।

टैक्टिकल बूट्स, जंगल बूट्स, स्नो बूट्स, एंकल बूट, स्पोर्ट्स/पीटी और रनिंग शूज, की सही तथा सुरक्षित खरीद सुनिश्चित करने के लिए यह निम्नलिखित परीक्षण सेवाए भी प्रदान कर रहा है:

1. भारतीय सेना
2. अर्धसैनिक बल (सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी और सीआईएसएफ)।
3. भारतीय वायु सेना,
4. भारतीय नौसेना
5. भारतीय तटरक्षक बल
6. पीएसयू जैसे एनटीपीसी, ओएनजीसी, आईओसी और अन्य।

इसकी परीक्षण सेवाओं का लाभ सऊदी अरब, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और यूएई जैसे कई अन्य देशों द्वारा भी लिया जाता है।

सूचना प्रौद्योगिकी सेवा केंद्र (आईटीएससी)

आईटीएससी एफडीडीआई के विभिन्न विभागों को आईटी से संबंधित सेवाएं प्रदान करने के लिए कर्मियों और विधार्थियों के मामले में अच्छी तरह से सुसज्जित है। आईटीएससी एफडीडीआई की विभिन्न शाखाओं के सभी संकायों कर्मचारियों और विधार्थियों को केंद्रीकृत ईमेल सेवाएं प्रदान कर रहा है। आईटीएससी को दो समर्पित लीज लाइन कनेक्टिविटी (५० एमबीपीएस, २० एमबीपीएस) द्वारा भारत में सबसे बड़े इंटरनेट सेवा प्रदाता में से एक से उच्च उपलब्धता मोड में कार्य किया जाता है।

आईटीएससी के पास हर परिसर में एक समर्पित आईटी लैब है, जिसकी नोड क्षमता १०० से अधिक है, जो नवीनतम हार्डवेयर और सहफ्टवेयर से लैस है। आईटीएससी परिसर के अंदर वायरलेस इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान कर रहा है, जो चौबीसों घंटे छात्रों और कर्मचारियों को वाई-फाई इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करता है।

कार्यशालाएँ

छात्रों को हाथों - हाथ प्रशिक्षण देने के लिए, एफडीडीआई के परिसरों में पर्याप्त संख्या में नवीनतम मशीनों और उपकरणों के साथ सुसज्जित कार्यशालाएँ है। कटिंग, क्लोजिंग, कंपोनेंट, लास्टिंग और फिनिशिंग वर्कशॉप में अत्याधुनिक मशीनें उपलब्ध हैं।

एफडीडीआई का अंतरराष्ट्रीय डिजाइन स्टूडियो अत्याधुनिक और उन्नत मशीनों से युक्त है और इसमें कैड/कैम की भी सुविधा है जिससे डिजाइनों को बनाया जाता है और फिर उनका रूपांतरण कर मॉडल पेश किया जाता है। इससे विद्यार्थियों की सृजनात्मकता बढ़ती है और वे नवोन्मेसी बनते हैं जिससे वे विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा के लायक बन सकें।

पुस्तकालय

एफडीडीआई के सभी परिसरों में पूरी तरह से सुसज्जित वातानुकूलित पुस्तकालय है जिसमें शांत वातावरण है ताकि छात्र अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर सकें। एफडीडीआई का पुस्तकालय फैशन, डिजाइन, प्रौद्योगिकी, खुदरा और प्रबंधन से संबंधित उद्योग के लिए विशिष्ट एक विस्तृत और अद्वितीय संसाधन और सूचना आधार प्रदान करता है।

पुस्तकालय में विश्वकोश, नवीनतम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के जर्नल, पत्रिकाएँ, समाचार पत्रों और अन्य मानक पठन सामग्री का उत्कृष्ट संग्रह है। इसमें प्रोजेक्ट रिपोर्ट और केस स्टडी का विस्तृत संग्रह भी है। पुस्तकालय अवकाश के दिनों में भी सुलभ है। संकाय और छात्रों के उपयोग के लिए सभी संसाधन उपलब्ध हैं

कैंपस की जिंदगी

स्पोर्टिंग इवेंट, इंट्राम्यूरल, मनोरंजक गतिविधियाँ, फ्रेशर्स पार्टी, फैशन शो, स्मारक कार्यक्रम छात्रों को बहुत सारे नए अनुभव प्रदान करते हैं।

एफडीडीआई में छात्रों के लिए कैंपस का जीवन संतोषजनक और फायदेमंद रहा है, जिसने उन्हें सीखने और आनंद के लिए सह-पाठ्यचर्या संबंधी रुचियों का पता लगाने का अवसर प्रदान किया।

शिक्षाविदों, पाठ्येतर गतिविधियों और सामाजिक जीवन के बीच एक संतुलन खेल आयोजनों, इंट्राम्यूरल, मनोरंजक गतिविधियों, फ्रेशर्स पार्टी, फैशन शो, स्मारक कार्यक्रमों आदि के माध्यम से बनाया जाता है जो छात्रों को बहुत सारे नए अनुभव प्रदान करता है।

सभागार

एफडीडीआई के परिसरों में पूरी तरह से वातानुकूलित विश्व स्तरीय सभागार है। एयर कंडीशनिंग के अलावा, यह व्याख्यान, प्रवचन, सम्मेलनों, कंपनी की बैठकों, शैक्षिक, सांस्कृतिक के लिए एक अति-आधुनिक, पेशेवर स्तर के प्रकाश और ध्वनि प्रणालियों, ओवरहेड एलसीडी, रिकॉर्डिंग सिस्टम, विशाल मंच और सौर लाइट आदि से भी सुसज्जित है।

छात्रावास

एफडीडीआई लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए अलग-अलग, स्वच्छ और सुरक्षित छात्रावास की सुविधा प्रदान करता है। कमरे ठीक से हवादार हैं और पंखे, ट्यूबलाइट और आवश्यक फर्नीचर से सुसज्जित हैं।

प्रत्येक छात्र को एक बेड, एक कुर्सी, एक टेबल और अलमारी (लॉकर) प्रदान की जाती है। इसमें छात्रों की शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए मनोरंजन और मानसिक कक्ष, रंगीन टीवी सेट, संगीत प्रणाली, स्वच्छ पेयजल, जनरेटर पावर बैक अप, डाइनिंग हॉल और इनडोर गेम जैसी सुविधाएं हैं।

परिसर में मेस और कैफेटेरिया

छात्रों के स्वाद के अनुरूप, परिसर में एफडीडीआई परिसर में मेस सुविधा उपलब्ध है जो उचित दरों पर छात्रों के लिए स्वस्थ और स्वच्छ भोजन प्रदान करती है। छात्रों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हैं।

मेस के अलावा, एफडीडीआई में एक कैफेटेरिया है जहां डे-स्कालर्स और अन्य लोग जो कक्षाओं के बीच जलपान करने का मन करते हैं, वे कई किस्मों के पेय और स्नैक्स का आनंद ले सकते हैं।

एम्फीथिएटर

ओपन-एयर सीटिंग के साथ एक अभिनव सेट-अप, एम्फीथिएटर छात्रों को अन्य चीजों के साथ अपनी कलात्मक और रचनात्मक प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस स्थल का उपयोग मनोरंजन, प्रदर्शन और विभिन्न प्रकार के इंटरैक्टिव कार्यक्रमों के लिए किया जाता है।

इस प्रक्रिया में, उन्हें अपनी सार्वजनिक बोलने की क्षमता में सुधार करने, संचार कौशल बढ़ाने और अपने समग्र व्यक्तित्व को विकसित करने का अवसर मिलता है।

खेल परिसर

परिसर में ही खेल परिसर भी है जिसमें छात्रों के लाभ के लिए टेनिस, बास्केटबहल और बैडमिंटन कोर्ट हैं।

चिकित्सा सहायता सुविधाएं

एफडीडीआई अपने छात्रों की भलाई के मुद्दे को बहुत गंभीरता से लेता है और सभी की अत्यधिक देखभाल सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होने पर छात्रों को स्वास्थ्य देखभाल सुविधा प्रदान करता है।

प्रदर्शन की मुख्य बातें

आय और व्यय

वित्त वर्ष २०२१-२२ में एफडीडीआई की आय लैब सेवाओं के ५.०३ करोड़ रुपये सहित कुल ५४.६४ करोड़ रुपये हुई है और खर्च ४०.२८ करोड़ रुपये रहा जो दिखाता है कि खर्च के बाद अतिरिक्त १४.६६ करोड़ रुपये बचे हैं।

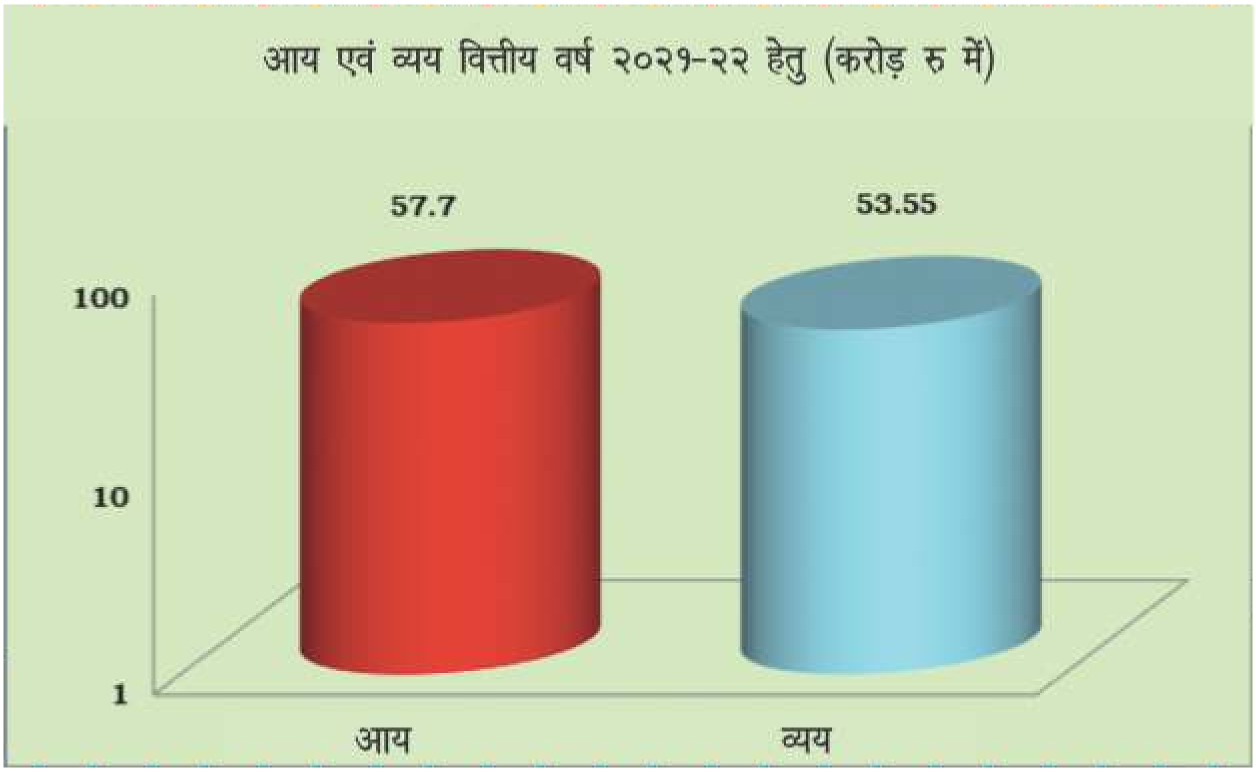

संस्थान के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक यह है कि एफडीडीआई एक स्व-वित्तपोषित संस्थान है, क्योंकि इसे केवल पूंजीगत व्यय के लिए सरकार से आर्थिक सहायता मिलती है। कोई अन्य आर्थिक सहायता नहीं दी जाती है जिसके परिणामस्वरूप संचालन संबंधी समस्याएं होती हैं। एफडीडीआई द्वारा सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन शुल्क और सतत् शिक्षा कार्यक्रम हमारे वार्षिक खर्च को पूरा करने के लिए एक छोटे से हिस्से के रूप में योगदान देते हैं।

डिजिटल क्लासरूम की स्थापना

एफडीडीआई द्वारा नोएडा एफडीडीआई में डिजिटल क्लासरूम सुविधा की स्थापना की गयी है और उसी डिजिटल क्लासरूम सुविधा को एफडीडीआई के अन्य सभी ग्यारह परिसरों में दोहराया गया है।

२७ दिसंबर २०२१ को, श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय राज्य मंत्री (एमओएस) वाणिज्य और उद्योग (सी एंड आई) भारत सरकार (जीओआई) ने नई सेटअप डिजिटल क्लासरूम सुविधा का उद्घाटन किया, जिसके दौरान श्री अरुण कुमार सिन्हा,आईएएस, प्रबंध निदेशक, (एफडीडीआई) श्री मोतीलाल सेठी, प्रबंध निदेशक, मेसर्स सरोज इंटरनेशनल, अध्यक्ष-इंडियन लेदर गारमेंट्स एसोसिएशन (आईएलजीए) और श्री संजय गुप्ता, निदेशक, संदीप रबर, अध्यक्ष इंडियन फुटवियर कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (इफकोमा) उपस्थित रहे।

डिजिटल क्लासरूम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा के साथ तैयार है और इससे अच्छे संकाय सदस्यों की कमी को काफी हद तक दूर करने में मदद मिलेगी इस प्रकार, दूरस्थ होने के बावजूद भी परिसर से संकाय सदस्यों के लिए व्याख्यान की सुविधा प्रदान करके अकादमिक संरचना को सुव्यवस्थित करने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

पाठ्यक्रम में सुधार

मौजूदा पाठ्यक्रम को उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप लाने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि विभिन्न पाठ्यक्रम उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हैं, विशेषज्ञों और उद्योग को मिलाकर एक पाठ्यक्रम समीक्षा समिति का गठन किया गया था। इसने बी-डेस पाठ्यक्रम को अपडेट किया है जिसे सत्र २०२१ के लिए नामांकित छात्रों के लिए फुटवियर कार्यक्रम के तहत लागू किया गया हैं।

वेबिनार आयोजित

एफडीडीआई द्वारा छात्रों को आवश्यक उद्योग कौशल और ज्ञान प्रदान करने के लिए चमड़ा, फैशन, फुटवियर और खुदरा उद्योगों के पेशेवरों के सहयोग से ४० से अधिक वेबिनार आयोजित किए गए।

फुटवियर क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और पैमाने के आर्थिक साधनों को प्राप्त करने के लिए भारत में पैमाने और क्षमता निर्माण जैसे विषय भारत की फुटवियर विकास की कहानी, परिधान के आकार और फिट, फुटवियर डिजिटल डिजाइन, जीरो वेस्ट और अप साइकलिंग के लिए मानक प्रमुख चुनौतियां/मुद्दे हैं।

फुटवियर, सामाजिक उद्यमिता, फुटवियर के लिए उन्नत लेजर कटिंग तकनीक, विजुअल मर्चेंडाइजिंग और स्टोर डिजाइन, ग्राहक गुण मानक और स्वीकृत गुणवत्ता स्तर, परिधान उद्योग में तकनीकी पैक की भूमिका, फैशन की भविष्यवाणी और उद्योग के लिए अंतर्दृष्टि, टिकाऊ चमड़े की पहचान करने के लिए टिकाऊ चमड़े का निर्माण चमड़े के वस्त्र संग्रह के लिए उपयुक्त सामग्री की पहचान, चमड़े के वस्त्र और सहायक उपकरण क्षेत्र में नई सिलाई तकनीक की शुरुआत, बौद्धिक संपदा अधिकार पेटेंट और डिजाइन प्रक्रिया, सीखना, सिखाना आदि शामिल थे।

प्रवेश 2021–22

कोविड-१९ महामारी के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में किसी न किसी रूप में लॉकडाउन जारी रहने और कुछ स्थानों पर परीक्षा के बुनियादी ढांचे की अनुपलब्धता होने के कारण एफडीडीआई ने अखिल भारतीय चयन परीक्षा (एआईएसटी) २०२१ को रद्द करने का फैसला किया। इसके बजाय एफडीडीआई द्वारा स्नातक और परास्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए योग्यता सूची तैयार की गई और ११/१०/२०२१ से कक्षाएं संचालित की जा रही हैं।

सभी एफडीडीआई परिसरों में अल्पकालिक कार्यक्रम की शुरुआत

एफडीडीआई ने अपने सभी परिसरों में फुटवियर निर्माण के विभिन्न पाठ्यक्रमों में कई उद्योग विशिष्ट और नौकरी उन्मुख तकनीकी लघु अवधि के प्रमाणपत्र कार्यक्रम शुरू किए हैं इनकी पूर्णकालिक नियमित कक्षाओं की अवधि ६ महीने, ३ महीने और १ महीने हैं।

2020 और 2021 के पास आउट बैचों का दीक्षांत समारोह

नोएडा, हैदराबाद, कोलकाता, चेन्नई, फुर्सतगंज, जोधपुर, छिंदवाड़ा, अंकलेश्वर, और रोहतक एफडीडीआई परिसरों से वर्ष २०२० में अपने संबंधित कार्यक्रमों को उत्तीर्ण करने वाले ३९७ छात्रों और वर्ष २०२१ में अपने संबंधित कार्यक्रमों को उत्तीर्ण करने वाले २४४ छात्रों के लिए डिग्री प्रदान करने के लिए दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया था।

क्र.सं.	एफडीडीआई परिसर	कुल संख्या	दीक्षांत समारोह की तारीख
1	नोएडा	323	27.12.2021
2	हैदराबाद	40	03.01.2022
3	कोलकाता	49	07.01.2022
4	चेन्नई	47	31.01.2022
5	फुरसतगंज	45	01.02.2022
6	जोधपुर	27	05.03.2022
7	छिंदवाड़ा	34	23.03.2022
8	अंकलेश्वर	12	05.04.2022
9	रोहतक	64	12.04.2022
कुल		641	

एफडीडीआई के संबंधित परिसरों में अपने भाषण में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने उत्तीर्ण होने वाले सभी छात्रों को एक सफल जीवन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी और छात्रों को अपने मूल्य, कार्य नैतिकता और मानवता को न भूलने के लिए प्रेरित किया।

छात्रों को नौकरी दिलाना

एफडीडीआई में प्लेसमेंट प्रोग्राम महामारी की छाया से उभरने का एक पुनरुत्थान प्रयास है। एफडीडीआई द्वारा २०२१-२२ के पासिंग आउट बैच की अंतिम नियुक्ति के सीजन का सफलतापूर्वक समापन किया, जिससे परिसरों में ८६ से अधिक छात्रों की नियुक्ति का संतोषजनक परिणाम प्राप्त हुआ।

वर्ष २०२१-२२ में, एफडीडीआई ने अखिल भारतीय परिसरों से २३०+ भर्तीकर्ताओं की भागीदारी देखी, लैंडमार्क इंटरनेशनल, यूएई द्वारा पेश किए गए रुपये १४ एलपीए के उच्चतम पैकेज के साथ, जहां रुपये १० एलपीए का उच्चतम घरेलू पैकेज एडमिट कार्ड द्वारा पेश किया गया था। प्लेसमेंट प्रमुख रूप से वर्चुअल रूप से आयोजित की गई ताकि प्रत्येक एफडीडीआई परिसरों के छात्र अपने स्थान से भर्ती प्रक्रिया के लिए उपस्थित हो सकें।

वर्ष २०२१-२२ में अन्य प्रमुख भर्तीकर्ताओं में यूनीक्लो, शॉपर्सस्टॉप, आदित्य बिड़ला ग्रुप, बाटा, रिलैक्सो, जारा, रितु कुमार, रिम्पल और हरप्रीत नरूला, मिर्जा इंटरनेशनल (रेड टेप), पैंटालून, रिलायंस ब्रांड, डीएलएफ ब्रांड आदि शामिल थे।

छात्र प्रशंसा

i.	एफडीडीआई, अंकलेश्वर कैम्पस की छात्रा सुश्री प्रियांशी चंद्रा ने खादी डिजाइनिंग काउंसिल ऑफ इंडिया (केडीसीआई), परिवार द्वारा नए साल की पूर्व संध्या पर आयोजित राष्ट्रीय डिजाइनर पुरस्कार २०२१ में 'बेस्ट थीम ऑफ द ईयर' का पुरस्कार जीता है। (३१-१२-२०२२)	
ii.	सुश्री समीक्षा अंबोलीकर, एफडीडीआई, हैदराबाद कैंपस की छात्रा ने अपनी टीम के साथ भाग लिया और प्रॉस्पेक्ट १०० एक्स केयरिंग फ्रांस वैश्विक डिजाइन प्रतियोगिता जीती जो २०२१ प्रॉस्पेक्ट१०० द्वारा वैश्विक लक्जरी समूह, केरिंग - फ्रांस के साथ साझेदारी में आयोजित की गई थी। वैश्विक डिजाइन प्रतियोगिता के लिए आवदेन जमा करने की तिथि ३० अगस्त २०२१ से २४ सितंबर २०२१ तक थी।	
iii.	सुश्री प्रिया धोटे, एफडीडीआई, छिंदवाड़ा की एक छात्रा ने कढ़ाई प्रतियोगिता के दौरान द्वितीय पुरस्कार जीता, जिसे ३० जुलाई, २०२१ को सैग इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, इंदौर द्वारा वर्चुअल रूप से आयोजित किया गया था।	
vi.	सुश्री लक्ष्मी गायत्री पुदीपेड्डी, एफडीडीआई, हैदराबाद कैंपस की एक छात्र ने एएलटीईइंटरनेशनल नॉलेज फेस्ट वर्चुअल क्रॉसलिंक्स '२१ में एक इवेंट कैटेगरी यानी प्रोडक्ट डिजाइनिंग कॉन्टेस्ट (पीडीसी) में भाग लिया और २० अप्रैल २०२१ को पहला स्थान हासिल किया।	

vii.	एफडीडीआई, चेन्नई कैंपस के बी. डेस फाउंडेशन बैच के दोनों छात्रों मिस सुभाषिनी और मिस संयुक्ता ने निफ्ट वर्चुअल स्पेक्ट्रम में भाग लिया, जो १६ और १७ अप्रैल २१ को आयोजित किया गया था। सुश्री सुभाषिनी ने 'फेस एंड हेयर मेकओवर' प्रतियोगिता में भाग लिया जबकि सुश्री संयुक्ता ने''रचनात्मक लेखन' प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रथम पुरस्कार जीता।	

चमड़ा क्षेत्र योजना (आई डी एल एस) के एकीकृत विकास का कार्यान्वयन

१/१/२०२० को चमड़ा क्षेत्र की उप योजना (प्रस्तावित बजट ५०० करोड़ रुपये) के एकीकृत विकास और केंद्रीय इकाइयों को उनके आधुनिकीकरण क्षमता विस्तार प्रौद्योगिकी उन्नति के लिए सहायता उपलब्ध कराए गए।

एफडीडीआई और सीएलआरआई उद्योग और आंतरिक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए (डी पी आई आई टी) की दो शाखाएँ हैं जो क्रमशः चर्म शोधनालय और चमड़ा उत्पाद इकाइयों के लिए ५ वर्षों (२०२१-२६) की अवधि के लिए चमड़ा क्षेत्र योजना के एकीकृत विकास परियोजना कार्यान्वयन इकाई के रूप में काम करती हैं।

एमएसएमई इकाइयों को कुल निवेश पर ३०ः अनुदान मिलेगा, जबकि गैर एमएसएमई इकाइयों को २०ः प्राप्त होगा। उत्तर पूर्वी राज्य में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए निवेशकों को १०ः अतिरिक्त लाभ प्रदान किया जाएगा। भारतीय निर्माता से खरीदी गई मशीन के लिए ५ः अतिरिक्त अनुदान प्रदान किया जाएगा।

एमएसएमई की परिभाषा के अनुसार कुल सब्सिडी कैप को प्रति औद्योगिक इकाई १५ करोड़ रुपये तक बढ़ाया गया है। आवेदन जमा करने से लेकर संवितरण तक की पूरी प्रक्रिया इन्वेस्टइंडिया द्वारा विकसित एक समर्पित अहनलाइन पोर्टल के माध्यम से पूरी की जाएगी।

अब तक, विभिन्न चमड़ा उत्पाद निर्माताओं के २६ आवेदनों को १३.९६ करोड़ रूपये अनुदान के साथ स्वीकृत किया गया है।

स्वीकृत आवेदन	26
स्वीकृत अनुदान	रु. 13.96 करोड़

कुछ एफडीडीआई परिसरों का उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के रूप में उन्नयन

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), भारत सरकार ने भारतीय फुटवियर, चमड़ा और सहायक उपकरण विकास कार्यक्रम की संस्थागत सुविधाओं की स्थापना उप-योजना के तहत एफडीडीआई के मौजूदा परिसरों में से कुछ को उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में विकसित करने के लिए मंजूरी दे दी है। एफडीडीआई के परिसर जहां सीओई स्थापित किए गए हैं

क्रम संख्या	एफडीडीआई परिसर	विषयगत क्षेत्र
1.	एफडीडीआई, प्लॉट नंबर 1, सेक्टर –31 बी, आईएमटी, रोहतक, हरियाणा	सेंटर फॉर नॉन–लेदर फुटवियर, उत्पाद और उपकरण
2.	एफडीडीआई, के अंदर गेट न. – 3 के पास कोलकाता, लेदर कॉम्प्लेक्स, 24 दक्षिण परगना, कोलकाता, पश्चिम बंगाल	चमड़े के समान, गारमेंट्स और एक्सेसरीज के लिए केंद्र

3.	एफडीडीआई, प्लॉट नंबर ई–1, सिपकॉट इंडस्ट्रियल पार्क, इरुंगट्टुकोट्टी, कांचीपुरम,चेन्नई, तमिलनाडु	सेंटर फॉर डिजाइन, विकास और फैब्रिक इंटरफेस
4.	एफडीडीआई, लिडकैप परिसर, एचएस दुर्गा, गाचीबोवली, बीदर–हैदराबाद रोड, हैदराबाद, तेलंगाना	डिजाइन, विकास और कपड़ा चमड़ा उत्पादों के लिए इंटरफेस और सहायक उपकरण– विस्तारित
5.	एफडीडीआई, प्लॉट नंबर पी–6, मेघा औद्योगिक क्षेत्र, मोजा डुमरी, बिहटा, पटना ,बिहार	चमड़ा परिष्करण, नवाचार और उत्पाद खुदरा बिक्री का केंद्र
6.	एफडीडीआई, गाँव–मंदौर, तहसील जोधपुर , राजस्थान	उच्च प्रदर्शनध्विशेष जूते और उत्पाद और स्टार्ट अप

सीओई कोलकाता

सीओई चेन्नई

एफडीडीआई ने इन परिसरो में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा स्थापित किया है और इसमें यह किसी से भी पीछे नहीं है, जिसके लिए भारत सरकार ने १२६.६२ करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

सीओई रोहतक

सीओई जयपुर

इन परिसरो को विशेषज्ञता के एक विशेष विषयगत क्षेत्र को संबोधित करने के लिए विशेष रूप से सुसज्जित सुविधा प्रदान की गई है और न केवल अनुसंधान और विकास में सहायता के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध बुनियादी ढांचा और कौशल है, बल्कि ऊष्मायन और उद्यमिता विकास के लिए यह केंद्र उत्पाद विकास, तकनीकी सहायता और उद्योग की चिंताओं को भी संबोधित करते हैं।

सीओई पटना

सीओई हैदराबाद

ये सीओई उदघाटन के लिए तैयार है।

अंतर्राष्ट्रीय परामर्श

एफडीडीआई ने सीएलआरआई के साथ संयक्त रूप से संस्थागत क्षमता निर्माण के लिए २०२० में चमड़ा उद्योग विकास संस्थान (एलआईडीआई), इथियोपिया के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौते की अवधि २०२०-२०२५ तक ५ वर्षों के लिए है। इस परियोजना में पाठ्यक्रम डिजाइन, गैर-चमड़ा क्षेत्र के लिए समर्थन, संकाय प्रशिक्षण और औद्योगिक परामर्श से सात प्रमुख गतिविधियां शामिल हैं।

एफडीडीआई संस्थागत सहयोग के लिए डरबन यूनिवर्सिटी अहफ टेक्नोलहजी (डीयूटी), दक्षिण अफ्रीका के साथ वार्ता चल रही है। प्रस्ताव में क्लस्टर विकास, पाठ्यक्रम डिजाइन, फुटवियर और चमड़े के सामान कार्यक्रम के लिए क्षमता निर्माण शामिल है। डीयूटी और एफडीडीआई के बीच मसौदे समझौता ज्ञापन के लिए पहले ही ५ वर्षों के लिए प्रस्तावित सहयोग के साथ आदान-प्रदान किया जा चुका है। एमओयू पर डीयूटी प्रबंधन के साथ चर्चा चल रही है।

भारत सरकार की स्टडी इन इंडिया योजना के तहत, एफडीडीआई और एडुकेशन कंसल्टेंट अहफ इंडिया लिमिटेड (ईडीसीआईएल) ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों तक एफडीडीआई की पहुंच बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन को ३१ मार्च २०२४ तक २ साल के लिए बढ़ा दिया है। इस योजना में, एफडीडीआई ने विभिन्न कार्यक्रमों हेतु अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए १२५ सीटों की पेशकश की है।

तंजानिया से खुदरा प्रबंधन में एम.बी.ए. कार्यक्रम (२०२१-२०२२) के लिए छात्र एफडीडीआई को मिला है और इस वर्ष बांग्लादेश से एक छात्र बी.डेस (जूते डिजाइन और उत्पादन) कार्यक्रम में शामिल हुआ है।

एफडीडीआई ने भारत में अध्ययन के तहत अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को लक्षित करने वाली वेबसाइट विकसित की है (https://www.studyinindia_gov.in/institute_details\instituet_ID¾SII-I-_0269-active_tab_index(0)।

योजना के दूसरे वर्ष मे १६ देशो के १२७ छात्रों ने एफडीडीआई में दीर्घकालीन कार्यकर्मों के लिए आवेदन किया है।

एफडीडीआई ने नेपाल के छात्रों को एमईए (जीएसएस) के लिए सामान्य छात्रवृत्ति योजना-नेपाल छात्रवृत्ति योजना -२०२२ के तहत ०८ सीट की पेशकश की है। रिटेल मैनेजमेंट में मास्टर्स प्रोग्राम (एमबीए-आरएफएम) में ०४ सीटें और ४ सीटें रिटेल मैनेजमेंट और फैशन मर्चेंडाइजिंग बी.डेस में स्नातक कार्यक्रम के लिए पेशकश की जाती है।

उज्बेकिस्तान में प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए एफडीडीआई व्यापार विभाग, उज्बेकिस्तान के साथ चर्चा कर रहा है। यह सुविधा लंबी अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के प्रावधान के साथ शहप फ्लोर अहपरेटरों के लिए सक्षम होने की उम्मीद है।

एफडीआई द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू)

क्रमांक	संगठन	दिनांक	अनुमानित परिणाम
1	खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी)	07 फरवरी 2022	अकुशल कारीगरों का उत्थान, विभिन्न उत्पादन गतिविधियों में कारीगरों को लगाकर स्थानीय रोजगार सृजित करना और स्वरोजगार के अवसर पैदा करना।
2	डब्लूजीएसएन – दुनिया की अग्रणी उपभोक्ता प्रवृत्ति और फैशन फोरकास्टर	07 मार्च 2022	सही समय पर विश्वास और व्यापार के साथ उत्पाद बनाने के लिए वैश्विक प्रवृत्ति अंतदृष्टि, विशेष रूप से क्यूरेटेड डेटा और उद्योग विशेषज्ञता प्रदान करेगा।
3	शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की स्टडी इन इंडिया (एसआईआई) योजना के तहत एजुकेशन कंसल्टेंट ऑफ इंडिया लिमिटेड, (ईडीसीआईएल)	16 अप्रैल 2021	दक्षिण–पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका के चुनिंदा 30 से अधिक देशों से अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को आकर्षित करने के लिए,मुख्य रूप से एशिया और अफ्रीका से, जिनमें नेपाल, वियतनाम, सऊदी अरब, कजाकिस्तान, नाइजीरिया, मलेशिया, थाईलैंड, मिस्र, ईरान, कुवैत, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और रवांडा शामिल हैं। समझौता ज्ञापन एफडीडीआई द्वारा आयोजित स्नातक और मास्टर कार्यक्रमों के माध्यम से फुटवियर, फैशन, चमड़ा उत्पादों और खुदरा क्षेत्र में अपना करियर बनाने की इच्छा रखने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को शिक्षा और प्रशिक्षण तक पहुंच प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त करता है।
4	सेंट्रो टेक्नोलॉजिक डे कैलकेडो डे (सीटीसीपी), पुर्तगाल	07 अप्रैल 2021	भारत–पुर्तगाल संयुक्त आर्थिक आयोग के 5वें सत्र के दौरान समझौता ज्ञापन का आदान–प्रदान किया गया था। यह समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के बीच परामर्श कार्य और क्षेत्रीय अध्ययन, औद्योगिक प्रशिक्षण, प्रयोगशाला परीक्षण संचालन, अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के साथ–साथ देश भर में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के क्षेत्रों में सहयोग और साझेदारी में सहायता करेगा।

एफडीडीआई ने मनाया 'आजादी का अमृत महोत्सव'

हमारे माननीय प्रधानमंत्री की कल्पना के अनुसार 'आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए, एफडीडीआई ने अपने सभी परिसरो मे भारत छोड़ो आंदोलन' थीम पर क्विज प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता, टी-शर्ट पेंटिंग प्रतियोगिता, तिरंगे जैसे ड्रेसअप, निबंध लेखन प्रतियोगिता, बैनर मेकिंग प्रतियोगिता, रन फ़्हर यूनिटी आदि आयोजित किए।

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई पहल को ध्यान में रखते हुए, 'आजादी का अमृत महोत्सव' समारोह के तहत एफडीडीआई के कर्मचारियों और छात्रों द्वारा बड़ी संख्या में 'राष्ट्रगान' गाया और अपलोड किया गया।

एफडीडीआई द्वारा तकनीकी अनुभव, विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण/कार्यशाला आयोजित:

क्रमांक	विवरण	स्थान	नतीजा
1	चमड़े के सामान बनाने पर प्रशिक्षण कार्यशाला	थौबल लीशांगथेम, जिला थौबल, मणिपुर	47 महिलाओं के एक बैच ने प्रशिक्षण कार्यशाला की, जो 21 नवंबर 2021 से 22 दिसंबर 2021 तक आयोजित की गई थी। प्रशिक्षु पारंपरिक शिल्प और चमड़े के संयोजन का उपयोग करके नए उत्पाद विचार उत्पन्न करने में सक्षम हैं, नए उत्पाद विचारों का उपयोग करके नए प्रोटोटाइप और नमूने विकसित करते हैं।
2	चमड़े के सामान बनाने पर प्रशिक्षण कार्यशाला	सैनी सभा किंगरिया, देव शांतन, ग्राम चक माजरा, तहसील–अरनई, जम्मू	15 नवंबर 2021 से 17 दिसंबर 2021 तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में 50 महिलाओं के एक बैच ने कौशल हासिल किया और पारंपरिक शिल्प और चमड़े के संयोजन का उपयोग करके नए उत्पाद बनाने में आत्मनिर्भर हैं।
3	चमड़े के सामान बनाने पर प्रशिक्षण कार्यशाला	वार्ड नं. 2, जम्मू और कश्मीर ग्रामीण बैंक के पास, गांव पोस्ट–देवली, जम्मू	10 सितंबर 2021 से 11 अक्टूबर 2021 तक प्रशिक्षण कार्यशाला में शामिल 50 महिलाओं के प्रशिक्षुओं के एक बैच ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया और अपेक्षित कौशल हासिल किया साथ ही वे नए उत्पाद बनाने में आत्मनिर्भर हैं। उन्होंने संचालन के क्रम का ज्ञान प्राप्त किया और महिलाओं के बेल्ट, फाइल फोल्डर, फोटो फ्रेम, टेबल मैट, टेबल लैंप स्टैंड, जूती के साथ–साथ कपड़ा उत्पादों जैसे झोला बैग, शॉपिंग बैग जैसे दैनिक उत्पादों को बनाने के लिए तकनीकी रूप से सुसज्जित और सक्षम हैं। कढ़ाई वाले ट्वीड कपड़े का उपयोग करने वाला लैपटॉप बैग, जो जम्मू और कश्मीर की विरासत को प्रदर्शित करता है।

4	'मास्टर टनर्स' एमएसएमई, सीटीईडी, उत्तर प्रदेश के लिए तकनीकी एक्सपोजर	एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर	प्रौद्योगिकी और उद्यमिता विकास केंद्र (सीटीईडी), उत्तर प्रदेश के तहत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) 'मास्टर टनर्स' के 30 सदस्यों के कारीगरों का एक समूह को 29 जुलाई 2021 को चमड़े और गैर–चमड़े के जूते, उत्पाद और डिजाइन विकास, उभरती प्रौद्योगिकियों, कच्चे माल, उपकरण और तकनीकों और जीवन शैली के सामानों के निर्माण में शामिल प्रक्रियाओं पर तकनीकी जानकारी प्रदान की गई।
5	चमड़े के सामान बनाने पर प्रशिक्षण कार्यशाला	सतगुरु कबीर मंदिर कार्यसमिति, मेटाडोर बस स्टैंड के पास, बिश्नाह, जम्मू।	प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन 31 जुलाई 2021 को हुआ जो 02 अगस्त 2021 से 03 सितंबर 2021 को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बिश्नाह, जम्मू के युवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला निःशुल्क थी, जिसके दौरान 50 प्रशिक्षुओं, जिनमें 49 महिलाएं और एक पुरुष शामिल थे, ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया और महिलाओं के हैंडबैग, झोला, शॉपिंग बैग, महिलाओं की बेल्ट, फोटो फ्रेम, महिलाओं के बटुए, जैसे दैनिक उत्पाद कढ़ाई के साथ चमड़े और वस्त्र को शामिल कर बनाने में सफल रहे।
6	चमड़े के सामान बनाने पर प्रशिक्षण कार्यशाला	लंगेई गांव, नोंगपोक संजेबम, इंफाल, पूर्वी जिला	इस प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन 18 मार्च 2021 को किया गया था। पारंपरिक शिल्प और चमड़े के संलयन का उपयोग करके नए उत्पाद विचारों को उत्पन्न करने के उद्देश्य को प्राप्त करने के साथ प्रशिक्षण कार्यशाला अप्रैल 2021 के तीसरे सप्ताह में सफलतापूर्वक संपन्न हुई थी। 45 महिला और 06 पुरुष सहित प्रशिक्षु प्रतिभागी कौना घास, बेंत, बांस आदि का उपयोग कर मूल्य वर्धित उत्पाद बनाने में सक्षम थे, इन वस्तुओं के मूल्य वर्धित घटक के रूप में चमड़े के उपयोग वाले उत्पाद का भी प्रशिक्षण सफलता पूर्वक दिया गया।
7	हार्ड गुड्स आइटम्स पर मधुबनी पेंटिंग	चौरी गांव, मधुबनी, बिहार	गैर–कृषि आय का एक स्रोत बनाने के लिए, एफडीडीआई ने हार्ड सामानों जैसे फूलों के बर्तन, महिलाओं के बैग, मोबाइल स्टैंड, पेन स्टैंड, फोटो फ्रेम, कार्ड धारक, गृह सज्जा आदि उत्पादों पर मधुबनी पेंटिंग के प्रशिक्षण के लिए एक प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना 1 अप्रैल 2021 को की। मुख्य रूप से जो व्यावसायिक उपयोग के लिए चमड़े और अन्य सामग्री से बने हैं। कुल 35 प्रशिक्षुओं ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण कार्यक्रम को पूरा किया।

मील के पत्थर

एफडीडीआई छात्रों के लिए डब्लूजीएसएन द्वारा मास्टर कक्षाएं

फैशन की दुनिया में करियर की प्रगति हासिल करने के लिए छात्रों के कौशल और ज्ञान को बढ़ावा देने के अपने निरंतर उत्साह में, फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) ने देश भर में स्थित अपने सभी बारह केन्द्रो के लिए उत्पाद स्ट्रीम फैशन पूर्वानुमान के रुप में डब्लूजीएसएन की सदस्यता ली है

डब्लूजीएसएन दुनिया की अग्रणी उपभोक्ता प्रवृत्ति और फैशन फोरकास्टर है जो सही समय पर विश्वास और व्यापार के साथ उत्पाद बनाने के लिए वैश्विक प्रवृत्ति अंतर्दृष्टि, विशेषज्ञ रूप से डेटा और उद्योग विशेषज्ञता प्रदान करता है।

सहमति से, डब्लूजीएसएन स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एसएलजीएडी) के सहयोग से मास्टर कक्षाओं की एक श्रृंखला का आयोजन कर रहा है। इसके तहत १८ फरवरी २०२२ को 'ट्रेंड एंड फोरकास्ट बाय डब्ल्यूजीएसएन' पर प्रथम श्रेणी का आयोजन किया गया।

क्रमांक	विषय	दिनांक	डब्लूजीएसएन, दक्षिण एशिया के संसाधन व्यक्ति
1	डब्लूजीएसएन तक कैसे पहुँचें और इसे कैसे आत्मसात करें?	२१मार्च २०२२	सुश्री तृप्ति तिवारी, खाता प्रबंधक और सुश्री उर्वशी गुप्ता, निदेशक, खाता प्रबंधन
2	जिम्मेदार और टिकाऊ शाकाहारी चमड़े के नवीनतम रुझान	२५मार्च २०२२	श्री पुनीत दुडेजा, निदेशक

आगे बढ़ते हुए, दो और कक्षाएं आयोजित की गईं, जिसके दौरान डब्लूजीएसएन के डोमेन विशेषज्ञ ने पेशेवर कौशल वृद्धि के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि, सामग्री और विचार प्रदान किए गए।

सुश्री तृप्ति तिवारी, खाता प्रबंधक और सुश्री उर्वशी गुप्ता, निदेशक, खाता प्रबंधन 'डब्लूजीएसएन तक कैसे पहुँचें और आत्मसात करें' पर प्रस्तुति दे रही हैं

एफडीडीआई, नोएडा परिसर के प्रतिभागियों का एक दृश्य

'डब्लूजीएसएन तक कैसे पहुँचें और आत्मसात करें' विषय पर चर्चा करते हुए, डोमेन विशेषज्ञों ने प्रवृत्ति पूर्वानुमान, जीवन शैली और उपभोक्ता व्यवहार और डब्लूजीएसएन तक पहुँचने और उसे आत्मसात करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गयी।

'जिम्मेदार और टिकाऊ शाकाहारी चमड़े के नवीनतम रुझानों' पर मास्टर क्लास के दौरान, विशेषज्ञ ने एक प्रस्तुति के माध्यम से चमड़ा उद्योग के लिए स्थायी मार्गों को उजागर किया और प्रासंगिक केस स्टडी और सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ अंतर्दृष्टि प्रदान की।

उन्होंने चमड़े के आसपास की प्रथाओं और प्रक्रियाओं पर भी प्रकाश डाला, जिनकी पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों के लिए जांच की जा रही है।

ज्ञान का निर्बाध प्रवाह प्रदान करने के लिए, एफडीडीआई नोएडा द्वारा मास्टर क्लास की मेजबानी की गई थी, जिसके दौरान एफडीडीआई के बाकी ११ परिसरों के छात्र और संकाय वर्चुअल क्लासरूम सुविधाओं से जुड़े हुए थे।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा द्वारा दूसरा दीक्षांत समारोह आयोजित

२३ मार्च २०२२ को, एफडीडीआई, छिंदवाड़ा ने अपना दूसरा दीक्षांत समारोह आयोजित किया।

सुश्री ईशा अग्रवाल, एमबीए (खुदरा और फैशन मर्चेंडाइज, २०१८-२० बैच, अपनी डिग्री के साथ स्वर्ण और रजत पदक प्राप्त करते हुए)

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. एम.के. श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा थे और विशिष्ट अतिथि प्रो. डॉ. गिरीश, बी. रामटेके, डीन, छिंदवाड़ा आयुर्विज्ञान संस्थान थे।

एफडीडीआई की ओर से श्री प्रदीप मंडल, कैंपस प्रभारी और श्रीमती शाश्वत भौमिक एच.ओ.डी रिटेल और फैशन मर्चेंडाइज ने मुख्य अतिथि और सम्मानित अतिथि और सभी प्रतिनिधियों, स्नातक छात्रों का स्वागत किया, जिसके दौरान कर्मचारी और छात्र भी मौजूद थे।

मुख्य अतिथि और सम्मानित अतिथि ने अपने भाषण में सभी उत्तीर्ण छात्रों को एक सफल जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं और छात्रों को अपनी मूल्य प्रणाली, कार्य नैतिकता और मानवता को नहीं भूलने के लिए प्रेरित किया और यह अपने पेशेवर जीवन में करने के लिए जो कुछ भी चुनते हैं, उसमें अनुकरणीय होने के लिए प्रेरित किया।

स्नातक बैच

सत्र २०२० और २०२१ से संबंधित कुल ३० छात्रों को उनकी डिग्री प्रदान की गई, जिनमें से २५ ने संस्थान परिसर में आयोजित ऐतिहासिक समारोह में भाग लिया।

एफडीडीआई ने केवीआईसी के साथ समझौता किया

एफडीडीआई ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं ।

दोनों संगठनों की अंतर्निहित ताकत के आधार पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं

एफडीडीआई तकनीकी विकास, ग्रामोद्योग के समस्याग्रस्त क्षेत्रों की पहचान, समाधान इनपुट के पूरक, अनुसंधान एवं विकास में प्रयोग, तकनीकी मानव शक्ति का समर्थन, उन्नत कौशल विकास कार्यक्रम मॉड्यूल विकसित करने आदि के क्षेत्र में अपना समर्थन देने में सक्षम है। जबकि केवीआईसी बढ़ावा दे रहा है विभिन्न ग्रामोद्योग जो गांवों में उपलब्ध कौशल और संसाधनों के उपयोग के साथ कम पूंजी निवेश पर रोजगार के अवसर प्रदान करने की अद्वितीय क्षमता रखते हैं।

माननीय प्रधान मंत्री जी के 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्वान के अनुरूप, समझौता ज्ञापन अकुशल कारीगरों के उत्थान, विभिन्न उत्पादन गतिविधियों में कारीगरों को शामिल करके स्थानीय रोजगार पैदा करने और स्वरोजगार के अवसर पैदा करने का मार्ग प्रशस्त करता है।

एमओयू में प्रशिक्षण कार्यक्रमों और शुल्क संरचना, परीक्षा और प्रमाणपत्र, वित्त पोषण, प्रशिक्षण के बाद सहायता, कार्य योजना, बौद्धिक संपदा अधिकार, संयुक्त कार्य समूह, वित्तीय व्यवस्था, प्रचार और भूमिका और दोनों संगठनों की जिम्मेदारियों के तौर-तरीके भी शामिल किए गए हैं।

ग्रामोद्योगों का विकास कारीगरों के पारंपरिक और स्वदेशी कौशल का पुनरुद्धार सुनिश्चित करता है, जो बदले में, राष्ट्र के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि करेगा और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए कारीगरों के प्रवास को रोकेगा।

एफडीडीआई, नोएडा में 'शिल्प मेला' का आयोजन

०९ और १० मार्च २०२२ को एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'शिल्प मेला' का आयोजन किया गया।

यह एफडीडीआई, नोएडा परिसर के स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एसएलजीएडी) द्वारा आयोजित किया गया था, जिसके दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से संबंधित आठ विभिन्न शिल्पों के आठ मास्टर शिल्पकारों ने अपने उत्पादों और विशेष विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया।

एफडीडीआई की एक फैकल्टी मास्टर शिल्पकारों, सुश्री नर्मदा देवी द्वारा मधुबनी पेंटिंग के पारंपरिक कौशल को प्राप्त करते हुए

एफडीडीआई के छात्रों को कौशल प्रदान करते मास्टर शिल्पकार

'शिल्प मेला' ने छात्रों को देश की विविध और समृद्ध कला और शिल्प विरासत जैसे कपड़ा, लकड़ी, मिट्टी का काम आदि का अध्ययन करने में मदद की।

'शिल्प मेला' ने छात्रों को पारंपरिक कौशल के उपयोग को सीखने में मदद की, जो मास्टर शिल्पकारों से शिल्प निर्माण में लुप्त हो रहे हैं, जिन्होंने छात्रों को विशिष्ट शिल्प के बारे में उनके तकनीकी ज्ञान में सुधार के लिए तकनीकी जानकारी प्रदान की।

उन्होंने उन्हें बेहतर गुणवत्ता के साथ बेहतर उत्पाद तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया और शिल्प को बढ़ावा दिया और भारत के शिल्प की परंपरा और संस्कृति को जीवित रखने में मदद की।

क्रमांक	शिल्प	मास्टर शिल्पकारों का नाम
1.	सिक्की	सुश्री मंजू देवी
2.	चन्नपटना लकड़ी का खिलौना	सुश्री सुकाया
3.	मधुबनी चित्रकला	सुश्री नर्मदा देवी
4.	लिप्पन कला	श्री रामजू
5.	स्ृजनी	सुश्री गुड़िया देवी
6.	पट्टचित्र	सुश्री मैना चित्रकारि
7.	हस्तनिर्मित आभूषण	एमडी कौशेरी
8.	खजूर पत्ता वर्क	श्री समंदर सिंह

एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों ने जीआईएलटी के टेनरी विभाग का दौरा किया

०२ मार्च २०२२ को, बी.डेस-फाउंडेशनों बैच एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के छात्रों को सरकारी चमड़ा प्रौद्योगिकी संस्थान (जीआईएलटी), हैदराबाद, तेलंगाना में ले जाया गया, जहाँ उन्हें इसके टेनरी विभाग का प्रदर्शन प्रदान किया गया।

श्री शेख इकबाल हुसैन, प्रिंसिपल, गिल्ट, हैदराबाद द्वारा छात्रों को चमड़े की कमाना की तकनीकी के बारे में जानकारी दी।

टेनरी में हो रही प्रक्रिया को देख रहे बी.डेस -फाउंडेशन बैच एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के छात्र

एफडीडीआई संकाय के पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में इस दौरे का आयोजन छात्रों को एक ठोस आधार प्रदान करने और उन्हें कच्ची खाल को सुंदर फिनिश में बदलने की पूरी प्रक्रिया से परिचित कराने के उद्देश्य से यात्रा का आयोजन किया गया था।

श्री शेख इकबाल हुसैन, प्रधानाचार्य, जीआईएलटी ने ट्रेनिंग प्रक्रिया के बारे में बताया, जहां चमड़े को बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के चमड़े की परिष्करण, विभिन्न प्रकार के रसायनों, मशीनरी और तकनीकों का उपयोग किया जाता है, जिसे वैश्विक बाजार के लिए एक उत्पाद के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

एफडीडीआई ने एलएएफसीएएन – 2022 में भाग लिया

एफडीडीआई ने ९ मार्च २०२२ को ताज पैलेस, नई दिल्ली में 'लेदर एक्सेसरीज फुटवियर कॉन्क्लेव एंड अवार्ड्स ऑफ नार्थ इंडिया' (एलएएफसीएएन -२०२२) के आयोजन में भाग लिया और जो की काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट्स (सीएलई) ने आयोजित किया था।

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा उद्घाटन दीप प्रज्वलित

इस अवसर पर श्री संजय लीखा, अध्यक्ष, सीएलई, डॉ. अमिया चंद्रा, अतिरिक्त डीजीएफटी, श्री गौरव कौशल, वरिष्ठ प्रबंधक, ग्लोबल ऑपरेशंस, एडिडास, श्री राहुल, डीजीएम, ईसीजीसी, श्री एरिक इलिग, प्रबंध निदेशक, विल्हेम टेक्सटाइल्स, श्री संजय गुप्ता, अध्यक्ष, आईएफसीओएमए, सुश्री रीना ढाका, भारतीय फैशन डिजाइनर, सुश्री आंचल कंसल, महासचिव, बीएए, बिक्री, श्री अरुण कुमार सिन्हा, प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, खरीद समूह, उद्योग विशेषज्ञ उपस्थित थे।

7S पर पैनल चर्चा			
क्रमांक	7S	विषय	वक्ताओ का विवरण
1.	कौशल	भारत के चमड़ा और फुटवियर उद्योग में कौशल की आवश्यकता	श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई
2.	पैमाना	वृद्धि और विकास के लिए चमड़ा और जूते उद्योग में पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका और लाभ	श्री संजय लीखा, अध्यक्ष, सीएलई
3.	रफ्तार	निर्यातकों की बाजार पहुंच तक डिलीवरी और गति बढ़ाने में एफटीपी और डीजीएफटी की सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका	डह्. अमिया चंद्रा, अतिरिक्त डीजीएफटी

4.	वहनीयता	भारत के चमड़ा और फुटवियर क्षेत्र में पर्यावरणीय स्थिरता के उभरते मुद्दे जोखिम प्रबंधन द्वारा सुरक्षा के माध्यम से स्थिरता	श्री गौरव कौशल, वरिष्ठ प्रबंधक, वैश्विक संचालन, एडिडास श्री राहुल, डीजीएम, ईसीजीसी
5.	आपूर्ति श्रृंखला	वैश्विक बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए चमड़ा और फुटवियर क्षेत्र द्वारा सामना की जाने वाली आपूर्ति श्रृंखला की भूमिका और समस्याय प्रभावी आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और घटक क्षेत्र में विदेशी निवेश को आमंत्रित करने के लिए घटक क्षेत्र की भूमिका	श्री एरिक इलिग, प्रबंध निदेशक, विल्हेम टेक्सटाइल्सय श्री संजय गुप्ता, अध्यक्ष, इफकोमा
6.	शैली	चमड़ा और फुटवियर क्षेत्र को अगले स्तर तक ले जाने में डिजाइन, शैली, फैशन और ब्रांडिंग की भूमिका	सुश्री रीना ढाका, भारतीय फैशन डिजाइनर,
7.	बिक्री	बिक्री कैसे बढ़ाएं और वैश्विक बाजार के विभिन्न मूल्य खंडों में प्रवेश कैसे करें?	सुश्री आंचल कंसल, महासचिव, बीएए, बिक्री

कॉन्क्लेव, का आयोजन एक महत्वपूर्ण नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म का सीएलई के सदस्य निर्यातको को २०२५ तक ३० बिलियन अमेरिकी डॉलर के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सीएलई के सदस्य निर्यातकों को प्रेरित और मार्गदर्शन करने में मदद करने के लिए किया गया था।

श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, एमडी, एफडीडीआई ने अपने विचार साझा किए

२०२५ तक ३० बिलियन अमरीकी डालर के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उद्योग के 7S की भूमिका पर एक 'पैनल चर्चा' हुई, जिसके दौरान उद्योग, शिक्षाविदों और 7S के क्षेत्र से संबंधित सरकार के दिग्गज यानी कौशल, पैमाने, गति, स्थिरता आपूर्ति श्रृंखला, शैली और बिक्री ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

'भारत के चमड़ा और जूते उद्योग में कौशल की आवश्यकता' विषय पर पैनल चर्चा के दौरान अपने विचार साझा करते हुए, श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक (एमडी), एफडीडीआई ने कहा, जहाँ तक कौशल प्रदान करने का संबंध है एफडीडीआई ने भारत सरकार के कुछ कौशल कार्यक्रमों और हमारे कुछ अपने कार्यक्रमों को लागू करके एक लंबा सफर तय किया है।

एलएएफसीएएन - २०२२ का एक दृश्य

श्री संजय गुप्ता, अध्यक्ष, इफकोमा, प्रभावी आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और घटक क्षेत्र में विदेशी निवेश को आमंत्रित करने के लिए घटक क्षेत्र की भूमिका पर अपने विचार साझा करते हुए

उन्होंने आगे कहा कि ''स्किलिंग के संदर्भ में, जो आवश्यक है, मुझे लगता है, हमें डिजाइन में बहुत अधिक सौदे की आवश्यकता है, क्यूए और क्यूसी में एक बड़ा सौदा और नई तकनीक में अप-स्किलिंग चाहे वह एआई हो या नई तकनीक जो भी हो। कि हम उसके लिए उपयोग करने जा रहे हैं''।

'पैनल चर्चा' का एक दृश्य

पूरे पैनलिस्ट ने इस बात पर जोर दिया कि माननीय प्रधान मंत्री के वोकल फॉर लोकल', 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्यों को पूरा करने और २०२५ तक ३० बिलियन अमरीकी डालर के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, 7S यानि स्किल, स्केल, स्पीड, सस्टेनेबिलिटी, सप्लाईचेन,स्टाइल और सेल्स का पालन करना समय की आवश्यकता है।और सात में से प्रत्येक पर समान ध्यान देने की आवश्यकता है।

निर्यात पुरस्कार समारोह के दौरान उपस्थित गणमान्य व्यक्ति

श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, एमडी, एफडीडीआई को निर्यात पुरस्कार समारोह के दौरान सम्मानित किया गया

इसके बाद एक्सपोर्ट अवार्ड फंक्शन हुआ। इस कार्यक्रम में श्री नारायण टाटू राणे, माननीय केंद्रीय एमएसएमई मंत्री, भारत सरकार, श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, माननीय एमएसएमई राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, एमडी, एफडीडीआई और अन्य गणमान्य व्यक्ति ने शिरकत की इस अवसर पर वर्ष २०१९-२० और २०२०-२१ के निर्यात पुरस्कार वितरित किए गए

एफडीडीआई, जोधपुर का दूसरा दीक्षांत समारोह आयोजित

एफडीडीआई, जोधपुर ने ०५ मार्च २०२२ को अपना दूसरा दीक्षांत समारोह आयोजित किया, जिसमें श्री बद्री लाल मीणा, राज्य निदेशक, खादी ग्राम एवं उद्योग आयोग (केवीआईसी) कार्यक्रम के 'मुख्य अतिथि' थे।

श्री बद्री लाल मीणा, राज्य निदेशक, केवीआईसी से दीक्षांत समारोह के दौरान डिग्री प्राप्त करते एक स्नातक छात्र

एफडीडीआई की ओर से परिसर प्रभारी श्री मलयाज गंगवार ने मुख्य अतिथि और सभी प्रतिनिधियों, स्नातक छात्रों का स्वागत किया, इस दौरान स्टाफ और छात्र भी मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि ने अपने भाषण में सभी उत्तीर्ण छात्रों को सफल जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि एक हजार मील की यात्रा एक छोटे से कदम से शुरू होती है।

स्नातक बैच के वस्त्र उनके कनिष्ठों द्वारा डिजाइन और सिले गए थे, जो छात्र बिरादरी के अपनेपन और पोषित संबंधों की भावना को दर्शाता है। छात्रों ने ४-५ फीट की सिलाई मशीन और चरखा फॉर्म पेपर माचे तकनीक भी बनाई, जिसे मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों ने खूब सराहा।

सत्र २०२० से संबंधित कुल २७ छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। जिनमें से १६ संस्थान परिसर में आयोजित ऐतिहासिक समारोह में शामिल हुए।

स्नातक बैच

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में आयोजित 'प्रिंसिपल मीट' और 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और नौकरी उन्मुख पाठ्यक्रमों की आवश्यकता' पर पैनल चर्चा हुई।

२५ फरवरी २०२२ को एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में 'प्रिंसिपल मीट' और 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० और नौकरी उन्मुख पाठ्यक्रमों की आवश्यकता' पर पैनल चर्चा आयोजित की गई।

पैनल चर्चा चल रही है

बैठक और चर्चा में ट्राई-सिटी (मोहाली, पंचकुला और चंडीगढ़) के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के कई शिक्षाविदों ने भाग लिया।

सुश्री शाम चावला, प्रधानाचार्य- केंद्रीय विद्यालय, एयर फोर्स स्टेशन, हाईग्राउंड चंडीगढ़ के साथ श्री जुगल किशोर प्रधानाचार्य, केंद्रीय विद्यालय, चंडीमंदिर और डॉ. रामा अरोड़ा एसडी कॉलेज, मोहाली दिन के मुख्य वक्ता थे।

एनईपी २०२० के अनुसार वक्ताओं के विचार-विमर्श को दर्शाते हुए, यह निष्कर्ष निकाला गया कि सभी व्यक्तियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से होना चाहिए और माध्यमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने की अत्यधिक आवश्यकता है, ताकि छात्रों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा के लिए शुरू से ही तैयार किया जा सके।

यह भी जोर दिया गया कि छात्रों को इस तरह तैयार करने का समय आ गया है कि वे मेडिकल और इंजीनियरिंग के अलावा अन्य व्यावसायिक/तकनीकी/प्रबंधकीय पाठ्यक्रमों के महत्व को समझें।

यह बैठक कौशल आधारित पेशेवर कार्यक्रमों के माध्यम से फुटवियर, फैशन, चमड़े के उत्पादों और खुदरा और फैशन व्यापार के क्षेत्र में उपलब्ध कैरियर के अवसरों के बारे में जानकारी देने के लिए ट्राई-सिटी और आसपास के क्षेत्रों के सभी स्कूल प्रधानाचार्यों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए एफडीडीआई एक मंच प्रदान करती है।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में आयोजित 'चमड़े के वस्त्र और सहायक उपकरण क्षेत्र में नई सिलाई प्रौद्योगिकी का परिचय' पर वेबिनार

२५ फरवरी २०२२ को एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'चमड़े के गारमेंट्स और सहायक उपकरण क्षेत्र में नई सिलाई प्रौद्योगिकी का परिचय' पर एक व्यावहारिक वेबिनार आयोजित किया गया था।

श्री निवेले विराफ टयूरेल, ई.एच.टयूरेल एंड कंपनी के बिक्री निदेशक, वेबिनार के दौरान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हुए

वेबिनार का आयोजन स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन एफडीडीआई, नोएडा और हैदराबाद परिसर द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था, जिसके दौरान ई.एच. टयूरेल एंड कंपनी के बिक्री निदेशक श्री निवेले विराफ टयूरेल रिसोर्स पर्सन थे।

वेबिनार के दौरान, श्री निवेल ने उद्योगों के लिए विशेष स्वचालित मशीनों पर विभिन्न प्रस्तुतिकरण साझा किए, जिसमें चमड़े के सामान, चमड़े के वस्त्र, घरेलू असबाब और कार असबाब, फिल्टर, एयर बैग और तकनीकी वस्त्र शामिल हैं, जिनका उपयोग विभिन्न प्रकार के अनुप्रयोगों में किया जाता है।

वेबिनार के दौरान प्रदान की गई मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रतिभागियों को योजना बनाने से लेकर निष्पादन चरण तक नई सिलाई तकनीक के माध्यम से उत्पादकता और उद्योग ४.० की आवश्यकताओं के अनुरूप स्तर को बढ़ाने में मदद करेगी।

डिजिटल संचार का लाभ उठाते हुए, एफडीडीआई के सभी परिसरों के छात्र और संकाय अपने-अपने परिसरों में आभासी कक्षा सुविधाओं से जुड़े हुए थे।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में फैशन उद्योग में डेटा एनालिटिक्स के उपयोग पर वेबिनार आयोजित

छात्रों और फैकल्टी को फैशन उद्योग में डेटा एनालिटिक्स के महत्वपूर्ण उपयोग से अवगत कराने के लिए, १५ फरवरी, २०२२ को एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'फैशन उद्योग में डेटा एनालिटिक्स के उपयोग' पर एक व्यावहारिक वेबिनार आयोजित किया गया था।

वेबिनार 'फाउंडेशन बैच' के छात्रों के लिए आयोजित किया गया था, जिसके दौरान श्री फ्रेडरिक, संस्थापक और सीईओ, हॉटनॉट, इंडिया, संसाधन व्यक्ति थे।

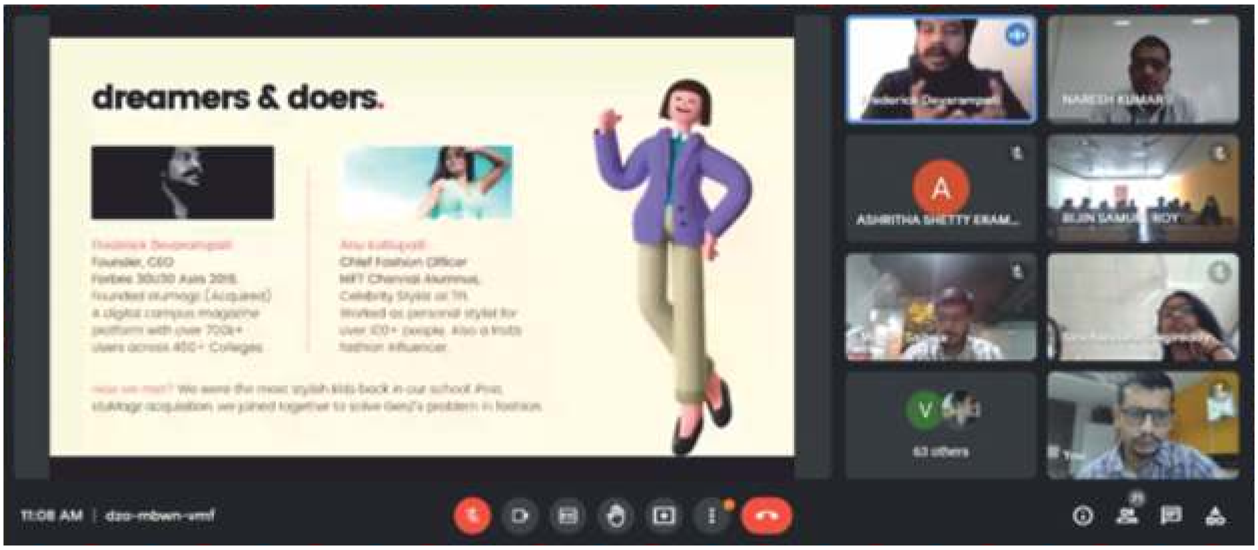

श्री फ्रेडरिक कंप्यूटर साइंस इंजीनियर हैं, जिन्होंने छात्र समुदाय को एकजुट करने के लिए २००६ में FUEL नाम की एक पत्रिका शुरू की। हालांकि यह सफल रही, बाद में १०० से अधिक ग्राहकों के साथ डिजाइन एजेंसी-डिजाइनर डेस्क शुरू किया। वह अपने अगले उद्यम- हॉटनॉट - एक फैशन सोशल मीडिया स्टार्टअप पर हैं।

वेबिनार के दौरान, श्री फ्रेडरिक ने ऐसी शैलियों के विकास, निर्माण और बिक्री के लिए डेटा एनालिटिक्स की लगातार बढ़ती भूमिका पर अंतर्दृष्टि प्रदान की, जो उपभोक्ताओं के साथ प्रतिध्वनित होती हैं, जो अंततः फैशन उद्योग में बिक्री और मार्जिन में सुधार की ओर ले जाती हैं।

फैशन उत्पादों जैसे- फैशन के कपड़े, जूते, चमड़े के बैग और फैशन के सामान का उदाहरण और केस स्टडी देते हुए, उन्होंने बिक्री डेटा, उत्पाद जानकारी और ग्राहक के रूप में वर्तमान फैशन व्यवसाय के माहौल के संबंध में फैशन उद्योग में डेटा एनालिटिक्स के महत्व को आगे बढ़ाया, डेटा लगातार एकत्र और विश्लेषण किया जाता है।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में आयोजित 'फंडिंग फॉर स्टार्टअप्सः एन इनसाइट' पर वेबिनार

१३ फरवरी २०२२ को एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'फंडिंग फॉर स्टार्टअप्सः एन इनसाइट' पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था।

वेबिनार का आयोजन स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी) द्वारा किया गया था, जिसके दौरान वक्ताओं ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के युग में अपनी उद्यमशीलता की यात्रा और व्यवसाय में पूरी तरह से बने रहने के बारे में गहरी समझ प्रदान की।

पैनल में प्रख्यात वक्ता
सुश्री मारिया कोटे, फैशन विशेषज्ञ और परिधान निर्माताय
श्री सौरव शर्मा, सॉल्यूशंस लीडर और सह–संस्थापकः इंडी थॉट्सय
श्री ब्रिस्को चंद्रा, स्टार्ट–अप निवेश विशेषज्ञय और
श्री गौरव धूपर, सेल्स लीडर और सह–संस्थापकः इंडी थॉट्स

एक फैशन विशेषज्ञ और परिधान निर्माता के रूप में, सुश्री मारिया कोटे ने परिधान उद्योग में काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने बाजार के आकार और निर्यात कारोबार में संभावित अवसरों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बाजार पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव और विश्व स्तर पर महसूस किए जा रहे प्रभाव के बारे में भी बताया।

श्री ब्रिस्को चंद्रा, स्टार्ट-अप निवेश विशेषज्ञ एक उद्यमशीलता यात्रा में प्रक्रिया और वित्त पोषण के विभिन्न चरणों के बारे में ब्रीफिंग करते हुए

आगे स्पष्ट करने के लिए, श्री सौरभ ने समझाया कि किसी को लक्षित करने के लिए बाजार खंड की पहचान करने की आवश्यकता है और यह तय करने के लिए महत्वपूर्ण कारकों पर विचार किया जाना चाहिए कि कोई किस प्रकार का उत्पाद बनाना चाहता है। उन्होंने एक झलक साझा की कि भारत में बाजार कैसे काम करता है और कैसे हर देश की एक अलग शैली और संस्कृति होती है, यही वजह है कि एक देश में काम करने वाला उत्पाद दूसरों में इतना अच्छा काम नहीं कर सकता है।

व्यवसाय शुरू करने के वित्तीय पहलू को समझने के लिए, श्री ब्रिस्को ने संक्षेप में प्रक्रिया की बारीकियों और उद्यमशीलता की यात्रा में वित्त पोषण के विभिन्न चरणों के बारे में बताया। उन्होंने समझाया कि एक उत्पाद का एक अनूठा विक्रय बिंदु होना चाहिए जो व्यवसाय में निवेश करने के लिए फंडर को आकर्षित कर सके। उन्होंने उन प्रमुख कारकों पर चर्चा की जो एक निवेशक किसी उत्पाद में निवेश करते समय देखता है।

श्री गौरव थूपर द्वारा स्टार्ट-अप निवेश की अवधारणा पर आगे विस्तार से बताया उन्होंने आईपीओ की मूल बातें और शुरुआत में इसके प्रभावों पर भी विचार व्यक्त किया।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में आयोजित 'एक्सप्रेशन ऑफ टेक्सटाइल आर्ट' पर वेबिनार

२ फरवरी २०२२ को एफडीडीआई में 'एक्सप्रेशन ऑफ टेक्सटाइल आर्ट' पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था।

वेबिनार ने वस्त्र अलंकरण तकनीकों में विभिन्न प्रवृत्तियों पर और उद्योग में इसके उपयोग के विभिन्न रुझानों पर प्रकाश डाला।

स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी) द्वारा आयोजित वेबिनार की रिसोर्स पर्सन सुश्री प्रिया पूनिया थीं।

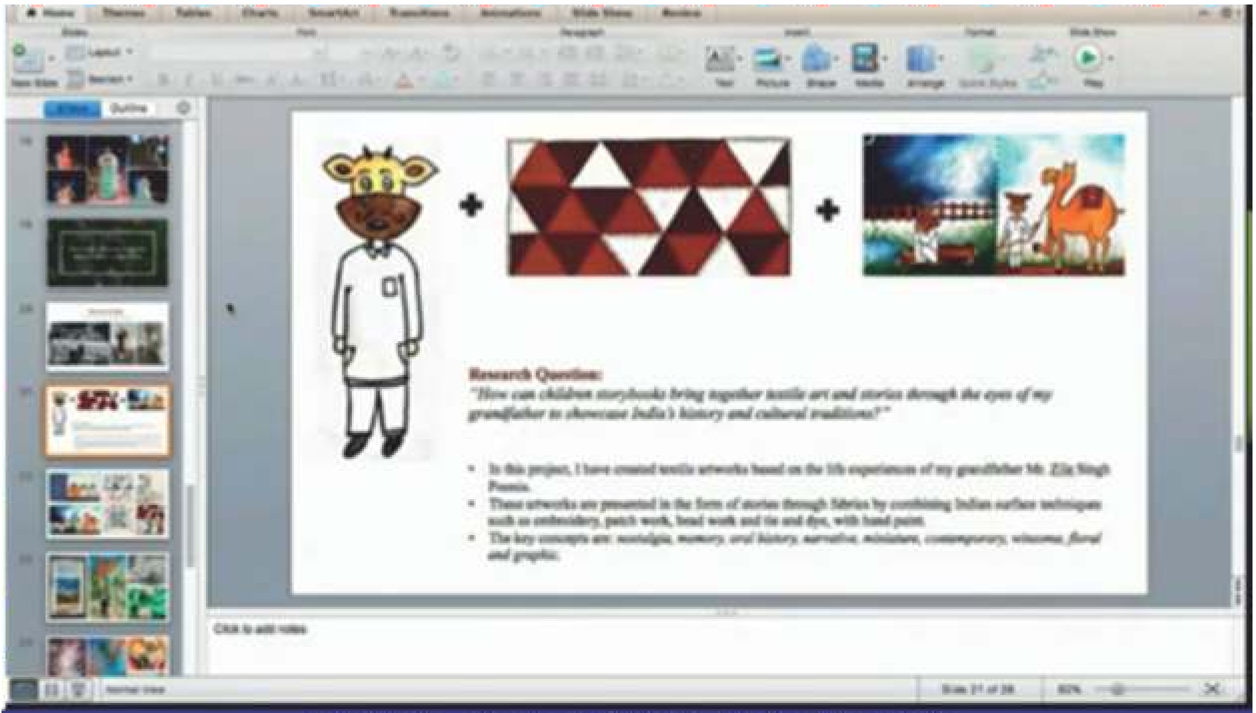

सुश्री प्रिया पूनिया 'टेक्सटाइल आर्ट की अभिव्यक्ति' के बारे में बताती हुई

सुश्री प्रिया ने कर्टिन यूनिवर्सिटी, पर्थ, ऑस्ट्रेलिया से एप्लाइड डिजाइन एंड आर्ट में मास्टर और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट), कांगड़ा से टेक्सटाइल डिजाइन में स्नातक किया है। उन्होंने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय डिजाइनर कृष्णा मेहता के साथ काम किया है और कपड़ा अलंकरण के साथ उनके प्रयोग और तकनीकों के लिए उन्हें वस्त्र कलाकार के रूप में पहचाना गया है।

वेबिनार के दौरान, सुश्री प्रिया ने एक युवा डिजाइनर के लिए अवलोकन आंख विकसित करने के महत्व पर जोर दिया ताकि वे अपने काम में कई अलग और अभिनव डिजाइन प्रेरणा प्राप्त कर सकें।

उन्होंने यह भी समझाया कि किसी को इस बात से अवगत होने की आवश्यकता है कि उनकी संस्कृति को क्या विशिष्ट बनाता है, जो एक विशिष्ट लाभ है और अपनी कपड़ा कला के भीतर इस विशिष्टता को आजमाने और बढ़ावा देने के लिए है।

एफडीडीआई, चेन्नई का दीक्षांत समारोह वर्चुवली आयोजित

COVID -19 महामारी के एहतियाती कदम उठाते हुए, एफडीडीआई, चेन्नई का दीक्षांत समारोह वर्चुवली ३१ जनवरी २०२२ को आयोजित किया गया था ताकि २०२० और २०२१ की कक्षा से संबंधित कुल ४७ छात्रों को डिग्री प्रदान की जा सके।

वर्चुअली आयोजित हो रहे दीक्षांत समारोह का एक दृश्य

दीक्षांत समारोह की शुरुआत औपचारिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।

श्री वीकेसी नौशाद, प्रबंध निदेशक, वाकारू इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आभासी सम्बोधन का स्क्रीनशॉट।

श्री वीकेसी नौशाद, प्रबंध निदेशक, वाकारू इंटरनेशनल प्रा. लिमिटेड इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे।

उन्होंने स्नातकों को बधाई दी और युवाओं से पेशेवर दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए अनुकरणीय होने का आह्वान किया और एफडीडीआई में प्राप्त कौशल और ज्ञान द्वारा समाज के विकास में योगदान करने का मंत्र दिया।

एफडीडीआई ने 'इंडिया स्किल्स नेशनल कॉम्पिटिशन 2021' में जीत हासिल की

एफडीडीआई ने 'इंडिया स्किल्स नेशनल कॉम्पिटिशन २०२१' में भाग लिया, जो ७ से ९ जनवरी २०२२ तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

जूता निर्माण (चमड़ा) प्रतियोगिता के प्रतिभागियों का एक दृश्य

गारमेंट मेकिंग (चमड़ा) प्रतियोगिता के प्रतिभागियों का एक दृश्य

प्रतिभागियों का एक दृश्य

यह कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) के मार्गदर्शन में काम कर रहे कौशल और उद्यमिता विकास के लिए नोडल एजेंसी, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) द्वारा आयोजित किया गया था।

उद्घाटन समारोह ६ जनवरी २०२२ को तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित किया गया था। लॉन्च में श्री राजेश अग्रवाल, सचिव, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई), भारत सरकार; श्री अतुल कुमार तिवारी, अपर सचिव, कौशल विकास उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार; श्री वेद मणि तिवारी, मुख्य परिचालन अधिकारी, और कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम; श्री सुब्रतो बागची, अध्यक्ष ओडिशा कौशल विकास प्राधिकरण और माइंडट्री के सह-संस्थापकय और डॉ. निर्मलजीत सिंह कलसी, अध्यक्ष, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद आदि मौजूद थे।

फाइनल के लिए चुने गए छात्रों का विवरण				
क्रमांक	एफडीडीआई परिसर	श्रेणी – जूता/परिधान	फाइनल के लिए चयनित छात्रों की संख्या	क्षेत्र
1.	चेन्नई	जूता	2	दक्षिण
2.	नोएडा	जूता	1	उत्तर
3.	फुरसतगंज	जूता	1	
4.	नोएडा	परिधान	4	
5.	चंडीगढ़	परिधान	1	
6.	रोहतक	परिधान	1	
7.	कोलकाता	जूता	1	पूर्व
8.	कोलकाता	परिधान	2	

भारत कौशल राष्ट्रीय प्रतियोगिता २०२१, एक बंद दरवाजे के आयोजन में २६ राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागियों ने ५० से अधिक कौशल में प्रतिस्पर्धा की।

जूता बनाना (चमड़ा) प्रतियोगिता का उत्पाद का प्रदर्शन

गारमेंट मेकिंग (चमड़ा) प्रतियोगिता का उत्पाद का प्रदर्शन

इंडिया स्किल २०२१ ने तीन नए 'डिमॉन्स्ट्रेशन स्किल्स' नामतः योग, शू मेकिंग (लेदर), और गारमेंट मेकिंग (लेदर) की शुरुआत की, जिन्हें इन ट्रेडों में उम्मीदवारों के लिए उपलब्ध अवसरों को प्रदर्शित करने के लिए प्रदर्शित किया गया था।

'भारत कौशल राष्ट्रीय प्रतियोगिता २०२१' के विजेता				
क्रमांक	श्रेणी	सोना	चाँदी	पीतल
1.	जूता बनाना (चमड़ा)	सुश्री वनलाबिकडिकि, एफडीडीआई नोएडा	सुश्री स्निकधा सुल्ताना, एफडीडीआई कोलकाता	सुश्री निकिता गजानन, सीएफटीआई आगरा
2.	परिधान बनाना (चमड़ा)	सुश्री जोमोल जोसेफ, निफ्ट चेन्नई	श्री ऋतिक कुमार चौरसिया, एफडीडीआई नोएडा	श्री आशीष राज, एफडीडीआई कोलकाता

फाइनल से पहले, चेन्नई (दक्षिण), कोलकाता (पूर्व) और नोएडा (उत्तर) में क्षेत्रीय प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसके दौरान एफडीडीआई के विभिन्न परिसरों के छात्रों को फाइनल के लिए चुना गया था।

'अभिवाद समारोह' का एक दृश्य

लेदर सेक्टर स्किल काउंसिल (LSSC) द्वारा सभी फाइनलिस्टों के लिए अंबुर, चेन्नई में एक बूट कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें विशेषज्ञों द्वारा गहन प्रशिक्षण दिया गया।

भारत कौशल राष्ट्रीय प्रतियोगिता २०२१ के फाइनल के दौरान, प्रतिभागियों को जूता और परिधान दोनों श्रेणियों में दिए गए डिजाइन के अनुसार अंतिम उत्पाद बनाने के लिए सौंपा गया था।

डॉ. प्राची शर्मा, एफडीडीआई नोएडा, और श्री आनंद तिवारी, फुटवियर, फुटवियर डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, बहादुरगढ़ जूता बनाने (चमड़ा) के लिए जूरी सदस्य थे, जबकि सुश्री श्वेता कुमारी, एफडीडीआई, नोएडा और सुश्री अर्चना जोशी, इंकास इंटरनेशनल फॉर गारमेंट मेकिंग प्रतियोगिता गारमेंट मेकिंग (चमड़ा) प्रतियोगिता के लिए जूरी सदस्य थे।

प्रतियोगिता ने कुशल और प्रतिभाशाली भारतीय युवाओं के लिए एक मंच प्रदान किया जिससे वह अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर सकें।

१० जनवरी २०२२ को, देश की सबसे बड़ी कौशल प्रतियोगिता इंडिया स्किल्स २०२१ नेशनल के सभी प्रतिभागियों (१५० से अधिक) को श्री राजेश अग्रवाल, सचिव, एमएसडीई, भारत सरकार द्वारा सम्मानित किया गया।

एफडीडीआई, हैदराबाद का पहला दीक्षांत समारोह आयोजित

एफडीडीआई, हैदराबाद ने वर्ष २०१७ में राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (INI) का दर्जा प्राप्त करने के बाद, ०३ जनवरी २०२२ को अपना पहला ''दीक्षांत समारोह'' आयोजित किया।

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित

इस कार्यक्रम में हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बसुथकर जगदीश्वर राव ने 'मुख्य अतिथि' और श्री डी. श्रीनिवास नाइक, उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, तेलंगाना राज्य चमड़ा उद्योग संवर्धन निगम (टीएसएलआईपीसी) और श्री एस बाकर हसन, चेयरमैन हंसा ग्रुप ऑफ कंपनीज 'गेस्ट ऑफ ऑनर' के रूप में शामिल हुए थे।

एफडीडीआई की ओर से कैम्पस प्रभारी श्री अरुण कुमार गायकवाड़ ने मुख्य अतिथि और सभी प्रतिनिधियों, स्नातक छात्रों का स्वागत किया, इस दौरान स्टाफ और छात्र भी मौजूद थे।

सत्र २०२० और २०२१ से संबंधित कुल ४० छात्रों को उनकी डिग्री से सम्मानित किया गया, जिनमें से ३२ संस्थान परिसर में आयोजित ऐतिहासिक समारोह में शामिल हुए।

स्नातक बैच

एफडीडीआई, अंकलेश्वर के छात्र ने राष्ट्रीय डिजाइनर पुरस्कार 2021 में 'वर्ष का सर्वश्रेष्ठ थीम' पुरस्कार जीता

एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर की छात्रा सुश्री प्रियांशी चंद्रा ने नए साल की पूर्व संध्या (३१.१२.२०२१) पर खादी डिजाइनिंग काउंसिल ऑफ इंडिया (केडीसीआई), परिवार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय डिजाइनर पुरस्कार २०२१ में 'वर्ष का सर्वश्रेष्ठ थीम' पुरस्कार जीता।

स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी) के बी. देस की अंतिम वर्ष की छात्रा सुश्री प्रियांशी ने केडीसीआई प्रतियोगिता में श्री सधीश कुमार (सीनियर फैकल्टी, फैशन डिजाइन) के मार्गदर्शन में एक आगामी डिजाइनर के रूप में भाग लिया और थीम ऑफ द ईयर' का 'सर्वश्रेष्ठ' पुरस्कार जीता।

प्रतियोगिता के दौरान, उन्होंने १० डिजाइनों के माध्यम से कलात्मक छापों का प्रदर्शन करके रचनात्मक तत्वों का प्रदर्शन किया।

केडीसीआई ने २५,००० से अधिक डिजाइनरों का स्वागत किया, जिनमें से कुछ को उनके डिजाइनों का प्रदर्शन करने के लिए चुना गया। छात्रों ने संस्थान श्रेणी में भाग लिया जहां उन्होंने तीन शानदार संग्रह प्रदर्शित किए।

एफएसएफडी, अंकलेश्वर परिसर की सुश्री प्रियांशी चंद्रा को 'वर्ष की सर्वश्रेष्ठ थीम' का पुरस्कार

माननीय सांसद, श्री राजेंद्र अग्रवाल से उपलब्धि प्रमाण पत्र प्राप्त करती सुश्री प्रियांशी चंद्रा

मंच ने डिजाइनरों को अपने विचारों और प्रतिभाओं को ऐसे डिजाइनों के साथ व्यक्त करने की अनुमति दी, जो न केवल डिजाइन उद्योग को प्रभावित करने की कोशिश करते थे, बल्कि अर्थव्यवस्था में स्थिरता भी लाते थे।

एफडीडीआई छात्रों द्वारा एक 'स्टार्ट–अप'

चिन्ह

एफडीडीआई छात्रों द्वारा एक 'स्टार्ट-अप' बड़ा और साहसी सोच, एफडीडीआई के दो छात्रों, सुश्री धनुषिका रमेश और श्री जेफरी जैकब ने जूतों पर कला की ओर एक महत्वपूर्ण नजर डाली।

२०१९ में, दोनों ने चमड़े के पेटिना जूतों के साथ एक स्टार्ट-अप 'ब्रिलर' में कदम रखा और २०२० के अंत तक पुरुषों के लिए शूज, बेल्ट्स, वॉलेट्स और एक्सेसरीज से युक्त उत्पादों की एक श्रृंखला के साथ तैयार हो गए।

दोनों छात्रों ने बी. डेस. एफडीडीआई, चेन्नई (सत्र २०१४-१८) से किया और वर्तमान में, सुश्री धनुषिका एम. डेस. एफडीडीआई, नोएडा से (सत्र २०२० - २२) कर रही हैं।

फीनिक्स ब्रिलर के लिए एक प्रेरणा है। मिस्र का पक्षी लाखों वर्षों तक जीवित रहता है, स्थायित्व जैसा दिखता है, नई ऊंचाइयों तक पहुंचता है और इस प्रकार राख में बदल जाता है, एक लाख वर्षों में एक बार एक और फीनिक्स का पुनर्जन्म, ब्रिलर में नवीनीकरण तत्व की ओर इशारा करता है।

सुश्री धनुषिका रमेश, एफडीडीआई, नोएडा की छात्रा, उत्पाद के साथ "ब्राउन ब्रिलर अंग्रेजी शूमेकिंग के पूर्ण शिखर का प्रतीक है, पुरुषों के लिए चमड़े के जूतों के शानदार चयन के साथ। उनके विचार और इनपुट ऐसे उत्पादों के उत्पादन के लिए तत्पर हैं जो केवल एक जोड़ी नहीं हैं जूते की, लेकिन, कलाकृति का एक उदार टुकड़ा।

श्री जेफरी जैकब, एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के छात्र ट्रैविस- टैन सेटो उत्पाद के साथपेटिना चमड़े को रंगने और बनावट प्रदान करने और सॉल्वैंट्स, आवश्यक तेलों और क्रीम का उपयोग करके जीवंत बनावट और रंगों को बढ़ाने के लिए विभिन्न जटिल तकनीकों का परिणाम है। वांछित रंग प्राप्त करने के लिए कुछ सौ घंटे खर्च किए जाते हैं जो विदेशी पट्टियों से विभिन्न प्रकार के मौसमी रंगों के साथ मिश्रित होते हैं। ब्रिलर के हस्तनिर्मित जूतों की एक जोड़ी पर सटीक ब्रश, स्पंज, कपड़े के टुकड़े और छायांकन कौशल सिम्फनी में गाते हैं।

सुश्री धनुषिका रमेश एफडीडीआई, नोएडा परिसर की छात्रा 'ब्राउन' उत्पाद के साथ

एफडीडीआई के संकाय द्वारा मार्गदर्शन और सलाह और एफडीडीआई द्वारा तैयार किए गए पाठ्यक्रम के परिणामस्वरूप ये छात्र नवोदित उद्यमी बन गए हैं।

श्री जेफरी जैकब, एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के छात्र 'ट्रैविस-टैन सेट' उत्पाद के साथ

इस तरह के नवोदित सफल स्टार्ट-अप भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं जो नए भारत की रीढ़ बनने जा रहे हैं।

श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय राज्य मंत्री, सी एंड आई, भारत सरकार एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'दीक्षांत समारोह' में शामिल हुईं; उहोंने 'डिजिटल क्लासरूम' का उद्घाटन किया

कोविड-19 महामारी के एहतियाती उपायों को बनाए रखने के बीच, एफडीडीआई, नोएडा ने २७ दिसंबर २०२१ को सत्र २०२० और २०२१ के उत्तीर्ण छात्रों के लिए अपना दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया।

श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय एमओएस – सी एंड आई (MoS - C&I), भारत सरकार ने 'डिजिटल क्लासरूम' सुविधा का उद्घाटन किया

कार्यक्रम की शोभा श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय राज्य मंत्री वाणिज्य और उद्योग (सी एंड आई), भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में, जबकि इस अवसर पर उपस्थित अन्य विशिष्ट अतिथि श्री मोतीलाल सेठी, प्रबंध निदेशक, सरोज इंटरनेशनल, अध्यक्ष-इंडियन लेदर गारमेंट्स एसोसिएशन (आईएलजीए) और श्री संजय गुप्ता, निदेशक, मैसर्स, संदीप-रबर, अध्यक्ष इंडियन फुटवियर कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (इफ्कोमा) उपस्थित थे।

एफडीडीआई की ओर से, श्री अरुण कुमार सिन्हा, भा.प्र.से., प्रबंध निदेशक (एमडी), एफडीडीआई ने मुख्य अतिथि प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सहित अन्य सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया जिसमें स्टाफ और छात्र भी मौजूद थे।

श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय एमओएस – सी एंड आई, भारत सरकार ने नए सेटअप 'डिजिटल क्लासरूम' सुविधा का उद्घाटन किया, जिसे एफडीडीआई के अन्य सभी ग्यारह परिसरों में दोहराया गया है।

माननीय एमओएस - सी एंड आई, भारत सरकार मीडिया को ब्रीफिंग करते हुए

इस अवसर पर मीडिया को जानकारी देते हुए, माननीय राज्य मंत्री सी एंड आई, भारत सरकार ने कहा, ''डिजिटल क्लासरूम' का पहल निश्चित रूप से देश भर के विभिन्न परिसरों के छात्रों को ज्ञान और कौशल बढ़ाने में सक्षम बनाएगी और अकादमिक संरचना को सुव्यवस्थित करने का अवसर प्रदान करेगी।''

एफडीडीआई के छात्रों ने अपने कार्यों को प्रस्तुतियों के रूप में प्रदर्शित किया। उन्होंने स्टॉल लगाए थे जहां जूते, चमड़े की कला शिल्प और रिटेल आउटलेट का एक मॉडल प्रदर्शित किया।

श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, एमडी, एफडीडीआई ने अपने स्वागत भाषण में कहा, ''बहुत खुशी के साथ, मैं आप सभी को आपके जीवन के इस यादगार दिन की बधाई देता हूं। एक रोमांचक भविष्य आपका इंतजार कर रहा है, भले ही दुनिया काफी नाटकीय रूप से बदल गई हो जब आप एफडीडीआई में आए"।

माननीय एमओएस - सी एंड आई को प्रदर्शन अवधारणा के बारे में एमडी, एफडीडीआई ब्रीफिंग करते हुए

माननीय एमओएस - सी एंड आई को एक चित्र प्रस्तुत करते हुए एक डिजाइन छात्र

अपने संबंधित पेशेवर कार्यक्रम के सफल समापन को चिह्नित करते हुए, सत्र २०२० और २०२१ से संबंधित कुल ३२३ छात्रों को उनकी डिग्री प्रदान की गई, जिनमें से १७१ ने संस्थान परिसर में आयोजित ऐतिहासिक समारोह में भाग लिया।

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा औपचारिक दीप प्रज्ज्वलित

श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, एमडी, एफडीडीआई, श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय एमओएस - सी एंड आई, भारत सरकार को स्मृति चिन्ह देते हुए।

श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय राज्य मंत्री – सी एंड एल, भारत सरकार ने अपने 'मुख्य भाषण' में कहा, ''यह आपकी कड़ी मेहनत, गुणवत्ता के प्रति समर्पण, संकाय और कर्मचारियों का समर्पण और प्रबंधन की दूरदर्शिता है जो इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए जिम्मेदार हैं।"

श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, एमडी, एफडीडीआई 'स्वागत भाषण' देते हुए

सभी उत्तीर्ण छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए, माननीय राज्य मंत्री - सी एंड आई, भारत सरकार ने कहा, ''मैं सभी एफडीडीआईन्स से रोजगार सृजनकर्ता बनने और माननीय प्रधान मंत्री जी के 'मेक इन इंडिया' के लक्ष्य को प्राप्त करने का आह्वान करती हूं। हमारी मातृभूमि को सही मायने में 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दें।"

माननीय राज्य मंत्री - सी एंड आई, भारत सरकार ने आगे कहा, "मुझे एफडीडीआई के गवर्निंग काउंसिल, सीनेट और प्रबंध निदेशक के गतिशील नेतृत्व को स्वीकार करते हुए बहुत खुशी हो रही है।"

श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय राज्य मंत्री - सी एंड आई, भारत सरकार 'मुख्य भाषण' दे रही हैं

श्री मोतीलाल सेठी, प्रबंध निदेशक, मैसर्स सरोज इंटरनेशनल, अध्यक्ष - आईएलजीए 'धन्यवाद वोट' का विस्तार करते हुए

श्री मोतीलाल सेठी, प्रबंध निदेशक, सरोज इंटरनेशनल, अध्यक्ष-आईएलजीए ने धन्यवाद प्रस्ताव में कहा, "मैं मुख्य अतिथि को अपना बहुमूल्य समय देने और सत्र २०२० और २०२१ के उत्तीर्ण छात्रों के लिए 'दीक्षांत समारोह' की शोभा बढ़ाने के साथ साथ डिजिटल क्लासरूम का उद्‌घाटन करने के लिए बहुत आभारी हूं।"

गणमान्य व्यक्तियों के साथ स्नातक बैच के छात्र

श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय एमओएस - सी एंड आई, भारत सरकार से डिग्री प्राप्त करने वाला एक स्नातक छात्र

उन्होंने सभी सम्मानित अतिथियों को इस यादगार अवसर की शोभा बढ़ाने के लिए धन्यवाद दिया।

एफडीडीआई द्वारा चक माजरा गांव, जम्मू में स्थापित 'चमड़े के सामान बनाने पर प्रशिक्षण कार्यशाला' अपेक्षित पेशेवर कौशल के लिए प्रदान की गई

एफडीडीआई द्वारा जम्मू जिले में चमड़े के सामान बनाने पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करने की लगातार तीसरी पहल ने वांछित उद्देश्य प्राप्त किया।

एफडीडीआई द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला के सफल समापन के साथ, पचास महिला प्रशिक्षुओं ने जम्मू जिले के चक माजरा गांव में स्थापित प्रशिक्षण केंद्र में अपेक्षित व्यावसायिक कौशल हासिल किया।

प्रतिभागियों द्वारा विकसित चमड़े, कपड़ा और कढ़ाई को शामिल करते हुए दिन-प्रतिदिन के उत्पाद (उत्पादों) का प्रदर्शन

१५ नवंबर २०२१ से १७ दिसंबर २०२१ तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रशिक्षुओं ने कौशल हासिल कर लिया है और पारंपरिक शिल्प और चमड़े के संलयन का उपयोग करके नए उत्पाद विचारों को उत्पन्न करने में आत्मनिर्भर हैं।

अपने प्रमाण पत्र के साथ प्रशिक्षु

वे तकनीकी रूप से सुसज्जित लेडीज बेल्ट, फाइल फोल्डर, फोटो फ्रेम, टेबल मैट, टेबल लैंप स्टैंड, जूती जैसे कपड़ा उत्पादों के साथ-साथ झोला बैग, शॉपिंग बैग, लैपटॉप बैग जैसे ट्वीड फैब्रिक का उपयोग करके कढ़ाई को शामिल करते हुए दिन-प्रतिदिन के उत्पाद बनाने में सक्षम हैं, जो जम्मू और कश्मीर की विरासत को प्रदर्शित करता है।

प्रशिक्षण कार्यशाला के सफल समापन पर श्री ओंकार सिंह, सचिव, सैनी सभा, देव स्थान किंगरिया, श्री विजय कुमार, पंच, वार्ड नं.१, चक माजरा, जम्मू जूरी के सदस्यों ने सभी प्रशिक्षुओं से मुलाकात की और उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों के लिए सराहना/प्रशंसा की। तत्पश्चात प्रत्येक प्रतिभागी को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

सेवा में,
प्रबन्धक निदेशक,
फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इन्सटीट्यूट
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

महोदय,

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेन्ट इन्स्टीट्यूट, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जम्मू एण्ड कश्मीर के चाक माजरा गाँव, तहसील अर्निया के अंतर्गत एक माह का लैदर गुड्स मेकिंग की ट्रेनिंग वर्कशाप का आयोजन किया गया। व्यक्तिगत रूप से मैने प्रशिक्षुओं के बनाये प्रोडक्ट्स देखे जो कि सराहनीय है। प्रशिक्षण केन्द्र में चाक माजरा गाँव के लोगो ने बढ़-चढ़ कर रूचि दिखाई तथा प्रशिक्षण प्राप्त किया, प्रशिक्षण के दौरान लोगो ने लैदर तथा कपड़े के ऊपर हाथों द्वारा कढ़ाई कर विभिन्न प्रकार के आकर्षक सामान बनाना सीखा।

अतः मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि आगे भी इस प्रकार के प्रशिक्षण केन्द्र चलते रहें, जिनकी इस क्षेत्र में अपार संभावनायें है।

धन्यवाद

देविंदर सिंह
सरपंच- चाक माजरा, जम्मू

चक माजरा, जम्मू के सरपंच से प्राप्त प्रशंसा पत्र

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इन्स्टीट्यूट, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार (एफ.डी.डी.आई.) द्वारा जम्मू एण्ड कश्मीर के चाक माजरा गाँव में, लैदर गुड्स मेकिंग का 1 महीने का प्रशिक्षण केन्द्र संचालित किया गया जिस दौरान इस क्षेत्र के लोगों ने लैदर गुड्स मेकिंग का प्रशिक्षण लिया, एफ.डी.डी.आई. का यह निःशुल्क कौशल विकास कार्यक्रम काफी फायदेमंद साबित रहा।

साथ ही मैं एफ.डी.डी.आई. को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने के लिए धन्यवाद देना चाहूँगा तथा यह आशा करता हूँ कि भविष्य में भी एफ.डी.डी.आई. के इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम इस क्षेत्र में चलते रहें जिससे युवाओं का कौशल विकाश हो सके ।

Onkar Singh
औंकार सिंह
सचिव, सैनी सभा,
देव स्थान किंगरिया, ग्राम:- चाक माजरा,
तहसील- अर्निया, ज़िला-जम्मू,
जम्मू एंड कश्मीर 181131

सचिव, सैनी सभा, देव स्थान किंगरिया, चक माजरा, जम्मू से प्राप्त प्रशंसा पत्र

सभी जूरी सदस्यों ने चमड़े के सामान बनाने पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करने के लिए एफडीडीआई को धन्यवाद दिया और एफडीडीआई से जम्मू और कश्मीर में और अधिक प्रशिक्षण कार्यशालाएं शुरू करने का अनुरोध किया।

एफडीडीआई, हैदराबाद में आयोजित 'फ्लैट बुना हुआ जूते पर डिजाइन और विकास अनुप्रयोगों' पर ई–कार्यशाला

१७ दिसंबर, २०२१ को एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में फ्लैट बुना हुआ जूते पर डिजाइन और विकास अनुप्रयोगों पर एक ई-कार्यशाला आयोजित की गई।

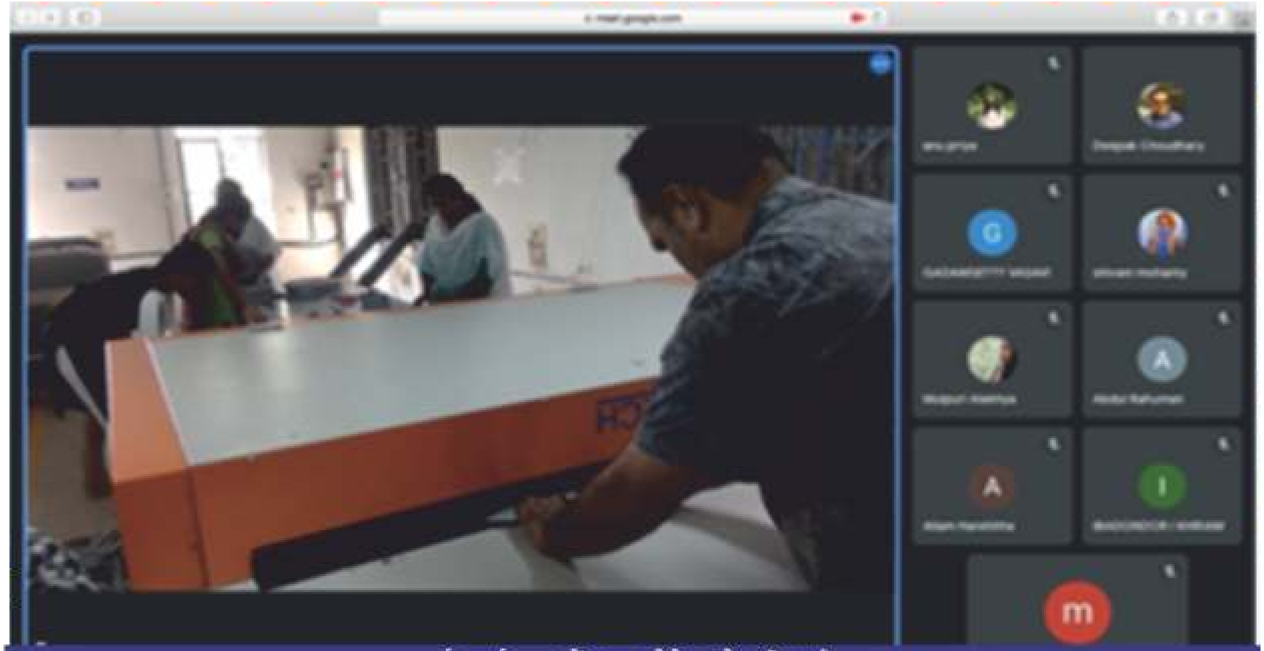

ई-कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागी

तकनीकी ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से और प्रदर्शन जूते में बुना हुआ फ्लैट के अनुप्रयोगों के बारे में छात्रों के बीच जागरूकता लाने के लिए, हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफएसएफडीपी) ने ई-कार्यशाला का आयोजन किया, जिसके दौरान श्री मृत्युन राजकुमार, निदेशक KNIIT, तिरुपुर, तमिलनाडु प्रमुख वक्ता थे।

ई-कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागी KNIIT प्रति दिन लगभग १२०० जोड़े की उत्पादन क्षमता के साथ तैयार बुना हुआ शू अपर / फैब्रिक का अग्रणी निर्माता है। दो दशक से अधिक पुरानी इकाई 'उन्नत स्विस बुनाई प्रौद्योगिकी' से लैस है और बुनाई प्रौद्योगिकी में महान विशेषज्ञता रखती है।

मुख्य वक्ता- श्री मृत्युतुन राजकुमार, निदेशक - मैसर्स आई केएनआईआईटी, तिरुपुर, तमिलनाडु

एक प्रस्तुति के माध्यम से, श्री मिर्थुन राज ने प्रदर्शन खंड पर बुना हुआ जूते की नई संभावनाओं और आकस्मिक पोशाक के बारे में बताया और डिजाइन पहलुओं, यार्न के गुणों, डिजाइन लेआउट आदि के बारे में जानकारी दी। उन्होंने चार स्टिच टेक्सचरिंग प्रकारों के बारे में भी बताया, जैसे कि केवल स्टिच, लिफ्टिंग स्टिच, स्लिप एंड टक स्टिच और वेट स्टिच और डिजाइन लेआउट और प्रोग्रामिंग, अपर मेकिंग में उपयोग की जाने वाली फ्लैट निट मशीन, फ्यूजिंग तकनीक और उन्नत-लेजर कटिंग तकनीक पर प्रदर्शन दिया।

एफडीडीआई, फुरसतगंज ने 12" संस्करण इफकोमा – 'शूटेक 21' कानपुर मेले में भाग लिया

एफडीडीआई, फुरसतगंज ने 'शूटेक २१' कानपुर मेले में भाग लिया, जिसका आयोजन इंडियन फुटवियर कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (IFCOMA) द्वारा १५ और १६ दिसंबर २०२१ को सीएलई कानपुर लेदर क्लस्टर, बंथर में किया गया था।

सुपर हाउस के अध्यक्ष, श्री मुख्तारुल अमीन ने श्री राजू जालान, श्री राकेश सूरी, श्री जावेद इकबाल, महाप्रबंधक आयुध निर्माणी सहित फुटवियर उद्योग के दिग्गजों की उपस्थिति में मेले का उद्घाटन किया।

मंच साझा करते गणमान्य व्यक्ति

एफडीडीआई के स्टाल पर गणमान्य व्यक्ति

मेले में फुटवियर उद्योग, घटकों, फिनिश और मशीनरी और सहायक उत्पादों से संबंधित उत्पादों को प्रदर्शित किया गया था।

एफडीडीआई के छात्रों ने अपने स्टॉल पर कई प्रकार की कृतियों को प्रदर्शित किया जिसमें महिलाओं और पुरुषों के जूते, आकस्मिक और औपचारिक जूते और खेल के जूते, फैशन के सामान, चमड़े के सामान - ट्रैवलवेयर, बेल्ट, पोर्टफोलियो, हैंडबैग और वॉलेट शामिल थे। इच्छुक छात्रों को एफडीडीआई के शैक्षणिक कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई

एफडीडीआई ने 'वेन्यू' प्रायोजक के रूप में 'इंडिया स्किल्स कॉम्पिटिशन 2021 – रीजनल शू एंड गारमेंट मेकिंग' में भाग लिया

एफडीडीआई ने 'वेन्यू' प्रायोजक के रूप में 'इंडिया स्किल्स कॉम्पिटिशन २०२१ - रीजनल शू एंड गारमेंट' में भाग लिया

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने सेक्टर कौशल परिषदों, उद्योग भागीदारों, कॉर्पोरेट्स और शैक्षणिक संगठनों के साथ साझेदारी में प्रतियोगिता का आयोजन किया।

क्रमांक	स्थान	क्षेत्र	दिनांक
1	केंद्रीय फुटवियर प्रशिक्षण संस्थान (सीएफटीआई), चेन्नई	दक्षिण क्षेत्र	6 और 7 दिसंबर, 2021
2	एफडीडीआई, नोएडा	उत्तर क्षेत्र	8 और 9 दिसंबर, 2021
3	एफडीडीआई, कोलकाता	पूर्वी क्षेत्र	10 दिसंबर, 2021

इंडिया स्किल्स २०२१ कुशल और प्रतिभाशाली भारतीय युवाओं को ५० से अधिक कौशल में क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। प्रतियोगिताओं के क्षेत्रीय स्तर चार क्षेत्रों में आयोजित किए जाते हैं, जिसका समापन राष्ट्रीय प्रतियोगिता में होता है। भारत कौशल प्रतियोगिता के विजेताओं को विश्व कौशल प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलता है, जिसे 'कौशल के ओलंपिक' के रूप में जाना जाता है।

इंडिया स्किल्स २०२१ एडिशन में लेदर सेक्टर को डेमो ट्रेड के रूप में दर्शाया गया है (लेदर वर्ल्ड स्किल्स २०२१ एडिशन का हिस्सा नहीं है)। चमड़े के अंतर्गत, दो प्रतियोगिता श्रेणियां आयोजित की गईं, अर्थात् जूता बनाना और परिधान बनाना।

पंजीकरण विवरण क्षेत्रवार				
क्रमांक	कॉलेज का नाम	श्रेणी – जूता/परिधान	प्रतिभागियों की संख्या	क्षेत्र
1.	सीएफटीआई, चेन्नई	जूता	15	दक्षिण क्षेत्र
2.	एफडीडीआई, हैदराबाद	जूता	6	
3.	निफ्ट, चेन्नई	जूता	3	
4.	एफडीडीआई, चेन्नई	जूता	29	
5.	सीएफटीआई, आगरा	जूता	18	उत्तर क्षेत्र
6.	एफडीडीआई, नोएडा	जूता	14	
7.	एफडीडीआई, चंडीगढ़	जूता	3	
8.	एफडीडीआई, फुर्सतगंज	जूता	2	
9.	एफडीडीआई, रोहतक	जूता	1	
10.	निफ्ट, दिल्ली	जूता	3	
11.	एफडीडीआई, अंकलेश्वर	जूता	3	
12.	एफडीडीआई, जोधपुर	जूता	5	
13.	एफडीडीआई, नोएडा	परिधान	9	
14.	एफडीडीआई, चंडीगढ़	परिधान	7	
15.	एफडीडीआई, रोहतक	परिधान	3	
16.	एफडीडीआई, छिंदवाड़ा	परिधान	2	
17.	निफ्ट, दिल्ली	परिधान	3	
18.	सीटीसी, बज बज	जूता	3	पूर्वी क्षेत्र
19.	एफडीडीआई, कोलकाता	जूता	4	
20.	एफडीडीआई, कोलकाता	परिधान	10	
21.	निफ्ट, चेन्नई	परिधान	1	

चमड़ा क्षेत्र के लिए चमड़ा क्षेत्र कौशल परिषद (LSSC) ने पात्र प्रतिभागियों से अपनी प्रतिभा दिखाने, पुरस्कार जीतने और चयनित स्थल पर क्षेत्रवार कार्यक्रम आयोजित करके राष्ट्रिय मान्यता प्राप्त करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए।

प्रतिभागियों को जूता और परिधान दोनों श्रेणियों में दिए गए डिजाइन के अनुसार अंतिम उत्पाद बनाने के लिए सौंपा गया था।

श्री के. मुरली, निदेशक– सीएफटीआई, चेन्नई ने दक्षिण क्षेत्र की प्रतियोगिता का उद्घाटन किया, जिसके दौरान श्री एम डी प्रिंस जोसेफ, एफडीडीआई, चेन्नई, श्री अक्षय रमन, सीएसआईआर-सीएलआरआई, श्री राकेश शर्मा, सीएफटीआई और सुश्री भानु रेखा, जूता बनाने की प्रतियोगिता के लिए केसीजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी जूरी सदस्य थे।

दक्षिण भारत के लिए प्रतियोगिता ७ दिसंबर को समाप्त हुई, जिसमें प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि, सुश्री इनोसेंट दिव्या, आईएएस, गेस्ट ऑफ ऑनर, श्री आर सेल्वम आईएएस कार्यकारी निदेशक, चमड़ा निर्यात परिषद(सीएलई) और श्री डॉ के जे श्रीराम, निदेशक (सीएलआरआई) के प्रेरक भाषणो के साथ उपस्थित थे।

जूरी सदस्य के साथ दक्षिण क्षेत्र प्रतियोगिता के प्रतिभागी

उत्तर भारत क्षेत्रीय प्रतियोगिता ८ और ९ दिसंबर, २०२१ को एफडीडीआई, नोएडा में आयोजित की गई थी। इस अवसर पर श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक (एमडी), एफडीडीआई, कर्नल ए के चंदेल, वरिष्ठ प्रमुख, एनएसडीसी, श्री राजेश रत्नम, सीईओ, एलएसएससी उपस्थित थे।

सुश्री श्वेता वर्मा, एफडीडीआई, नोएडा और श्री संजय कुमार भाटिया, सीएफटीआई, आगरा जूता बनाने के लिए जूरी सदस्य थे जबकि सुश्री श्वेता कुमारी, एफडीडीआई, नोएडा और सुश्री अर्चना जोशी, इंकास इंटरनेशनल गारमेंट मेकिंग प्रतियोगिता के लिए जूरी सदस्य थीं।

श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, एमडी, एफडीडीआई ने चमड़ा क्षेत्र के लिए कौशल हासिल करने के महत्व के बारे में जानकारी दी

प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाली उत्तर भारत की क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं का एक प्रतिभागी

१० दिसंबर, २०२१ को आयोजित पूर्वी क्षेत्र की प्रतियोगिताओं के लिए, एफडीडीआई, कोलकाता के श्री अभिजीत रे और श्री मानस मंडल गारमेंट मेकिंग के लिए जूरी सदस्य थे और श्री रामन हलदर, एफडीडीआई, कोलकाता और श्री अरिजीत चक्रवर्ती, जीसीएलटी, जूता निर्माण प्रतियोगिता के जूरी थे। प्रतिभागियों को श्री के विमलाथिथन, एलएसएससी और जूरी सदस्यों की उपस्थिति में प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

सभी प्रतिभागियों को संबंधित क्षेत्रीय स्तर पर प्रतियोगिता के बीच अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के उनके प्रयासों के सम्मान में प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

एफडीडीआई ने 'इंडिया स्किल्स कॉम्पिटिशन २०२१ - रीजनल्स शू एंड गारमेंट मेकिंग' में भाग लिया, जिसका उद्देश्य युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और अपने जुनून को एक पेशे में बदलने के लिए एक मंच प्रदान करना है, इसके अलावा युवा पेशेवरों को इसके विकास के लिए चमड़े के क्षेत्र में शामिल होने के लिए प्रेरित करना है।

जूरी सदस्य के साथ पूर्वी क्षेत्र प्रतियोगिता के प्रतिभागी

एफडीडीआई, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित पैनटोन कलर इंस्टीट्यूट द्वारा 'पैनटोन कलर ऑफ द ईयर 2022' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार,

पैनटोन कलर इंस्टीट्यूट द्वारा 'पैनटोन कलर ऑफ द ईयर २०२२' पर अंतराष्ट्रीय वेबिनार, एफडीडीआई, हैदराबाद कैंपस के सहयोग से १० दिसंबर २०२१ को आयोजित किया गया था।

२२ वर्षों से, पैनटोन कलर ऑफ द ईयर ने फैशन, घरेलू सामान और औद्योगिक डिजाइन के साथ-साथ उत्पाद, पैकेजिंग और ग्राफिक डिजाइन सहित कई उद्योगों में उत्पाद विकास और खरीद निर्णयों को प्रभावित किया है।

संसाधन व्यक्ति- सुश्री लीट्राइस ईसमैन, पैनटोन कलर इंस्टीट्यूट की कार्यकारी निदेशक

पैनटोन १७-३९३८ वेरी पेरी
(व्यक्तिगत आविष्कार और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने वाला एक नया पैनटोन रंग)

सुश्री लीट्राइस ईसमैन पैनटोन कलर ऑफ द ईयर की प्रमुख वक्ता थीं, जो वर्तमान में पैनटोन कलर इंस्टीट्यूट, यूएसए के कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यरत हैं फॉर्च्यून पत्रिका और वॉल स्ट्रीट जर्नल द्वारा दुनिया में सबसे प्रभावशाली लोगो मे से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है।

वेबिनार के दौरान, सुश्री लीट्राइस ने "विस्तारित रंग और डिजाइन के रुझानः अतीत और वर्तमान के रुझान भविष्य को कैसे आकार दे रहे हैं" और पिछले २ वर्षों के चुनौतीपूर्ण समय और घटनाओं के कारण पूर्वानुमान में थोड़ा अलग दृष्टिकोण के बारे में बताया।

उन्होंने पैनटोन में वर्ष २०२२ के नए ब्रांड कलर पर एक विस्तृत विवरण दिया, जो एक जीवंत बैंगनी लाल रंग के साथ गतिशील पेरिविंकल ब्लू ह्यू है, जिसे पैनटोनो १७-३९३८ वेरी पेरी नाम दिया गया है, जो नीले रंग की वफादारी स्थिरता को मिश्रित करता है, लाल रंग की ऊर्जा और उत्साह।

सुश्री लीट्राइस ने २०२२ की विभिन्न रंगीन कहानियों पर जानकारी दी - जिसमें २०२१ के पूर्वानुमान से "कम्पोज्ड", "टेरा कोट्टा", "फोकलोरिक" और "विविफाई" के ४ एक्सटेंशन पैलेट शामिल हैं। साथ ही पैनटोन व्यू होम, इंटीरियर्स २०२२ में "क्लारिफाई", "रोड ट्रिप", "रेपंकड", "बुकोलिक", ओरिजिन्स", "नैरेटिव्स", "वाइल्डवुड" और "स्कल्प्टेड" के ८ अतिरिक्त लाइफस्टाइल थीम।

अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में २०० से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें एफडीडीआई के १२ परिसरों के छात्रों, संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों और रेमंड ग्रुप, वाकारू इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड जैसे अन्य संस्थानों और डिजाइन स्टूडियो से शामिल थे।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा संकाय को सरकारी आटोनामस पीजी कॉलेज छिंदवाड़ा से 5 दिवसीय कार्यशाला में लैक्चर के लिए आमंत्रण मिला।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा, परिसर के एक संकाय को वाणिज्य और प्रबंधन विभाग (सी एंड एमडी) सरकार स्वायत्त पीजी कॉलेज (जीएपीजीसी), छिंदवाड़ा द्वारा 'सुरक्षा बाजार और खुदरा प्रबंधन' पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

अनुरोध प्राप्त होने पर, डॉ. विनीत वर्मा, फैकल्टी, स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (एसआरएफएम) ने कार्यशाला का संचालन किया और खुदरा क्षेत्र में खुदरा संचालन, खुदरा वित्तीय, खुदरा फर्मों में मानव संसाधन व्यवहार, व्यवहार विज्ञान और कैरियर विकल्प पर पाँच दिवसीय कार्यशाला के दौरान व्याख्यान दिया।

कार्यशाला के दौरान गणमान्य व्यक्ति

डॉ. विनीत वर्मा, फैकल्टी, एफएसआरएफएम व्याख्यान देते हुए

डॉ. विनीत वर्मा, फैकल्टी, एफएसआरएफएम को रिटेल ऑपरेशन और सिक्योरिटीज मार्केट में १४ से अधिक वर्षों का अनुभव है।

कार्यशाला २३ नवंबर से २७ नवंबर २०२१ तक आयोजित की गई थी जिसमें बीबीए और बी.कॉम –III वर्ष के लगभग १०० छात्रों और सी एंड एमडी, जीएपीजीसी, छिंदवाड़ा के शिक्षकों ने भाग लिया था।

डॉ अमिताभ पांडे, प्रिंसिपल, जीएपीजीसी, डॉ अनिल जैन, प्रोफेसर और हेड सी एंड एमडी, श्रीमती हर्षलता उइके, सहायक प्रोफेसर, डॉ रितेश विश्वकर्मा, सहायक प्रोफेसर और श्री आनंद नेमा, जीएपीजीसी के एचओडी-बीबीए, गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे।

कार्यशाला के विभिन्न सत्रों ने खुदरा और संबंधित उद्योगों में जाने वाली अवधारणाओं और प्रक्रियाओं की गहन समझ प्रदान की और प्रतिभागियों को खुदरा प्रबंधन की बुनियादी बातों में सुधार करने में मदद की।

एफडीडीआई, पटना परिसर के छात्रों द्वारा विषयगत विंडो का प्रदर्शन

एफडीडीआई, पटना परिसर के छात्रों द्वारा एक विषयगत विंडो प्रदर्शन २६ नवंबर २०२१ को आयोजित किया गया था।

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एसएफडीपी) के संकाय के पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में, छात्रों ने मधुबनी कला, क्रिसमस और शीतकालीन संग्रह थीम पर विकसित चमड़े और गैर चमड़े के उत्पादों के अपने संग्रह को प्रदर्शित किया।

श्री दानिश प्रसाद, सक्षमता जूते प्राइवेट लिमिटेड के एमडी, और श्री उस्मान, एमडी, आला ग्लव्स ने छात्रों के साथ बातचीत की

छात्रों के साथ श्री संतोष कुमार मिश्रा, एमडी, आरबीएम

श्री दानिश प्रसाद, मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) ऑफ कॉम्पीटेंस शूज प्रा. लिमिटेड, जो मुख्य अतिथि थे, ने प्रदर्शन देखा और छात्रों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र किया, जिसके दौरान उन्होंने उद्योग के बारे में और अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए बहुमूल्य जानकारी दी।

मो. उस्मान, एमडी, आला ग्लव्स और श्री संतोष कुमार मिश्रा, एमडी, आरवीएम फैक्ट्री आदि इस अवसर पहुंचे और प्रदर्शन देखा। उन्होंने छात्रों के साथ बातचीत की और उन्हें अपने उद्यमशीलता कौशल पर काम करने और जीवन में सफल होने की सलाह दी।

एफडीडीआई, नोएडा ने वरिष्ठ वैज्ञानिक, डीआईपीएएस – डीआरडीओ द्वारा आयोजित 'फुटवियर के डिजाइन और विकासः एर्गोनॉमिक्स और बायोमैकेनिक्स दृष्टिकोण' पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया

२५ नवंबर २०२१ को, एफडीडीआई, नोएडा परिसर ने 'फुटवियर के डिजाइन और विकासः एर्गोनॉमिक्स और बायोमैकेनिक्स दृष्टिकोण' पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।

फुटवियर के डिजाइन और विकास पर विशेष व्याख्यानः एर्गोनॉमिक्स और बायोमैकेनिक्स दृष्टिकोण

डॉ. मधुसूदन पाल वरिष्ठ वैज्ञानिक, अपर. डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज (डीआईपीएएस) डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) में एर्गोनॉमिक्स विभाग के निदेशक और विभाग के प्रमुख ने स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एसएफडीपी) के डिजाइन और अंतिम वर्ष के छात्रों को व्याख्यान दिया।

व्याख्यान एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन किए गए उत्पाद और पर्यावरणीय एवं मानवीय कारकों की की भूमिका पर केंद्रित था। जिन्हें डिजाइन करने के लिए विचार किया जाएगा।

डॉ. पाल ने पैर की गति, भार विशेषताओं और बल, शरीर की गति के दौरान पैर पर बल वितरण की प्रकृति और बायोमैकेनिक्स पहलुओं पर विचार करते हुए डिजाइन की जटिलता के बारे में भी बताया।

फुटवियर डिजाइन पर मुख्य फोकस बेहतर फुटवियर डिजाइन करने के लिए ग्राहक आवश्यकता पहलू, डेटा एकत्रीकरण, पर्यावरण और सशर्त विश्लेषण को समझना था। व्याख्यान में पेटेंट के महत्व और पेटेंट के लाभों को भी रेखांकित किया गया।

दूसरा सत्र फुटवियर डिजाइन के अनुसंधान और तकनीकी पहलुओं के लिए सभी परिसरों के डिजाइन विभाग के संकायों के साथ तकनीकी विचार-विमर्श पर केंद्रित था।

व्याख्यान एफडीडीआई नोएडा द्वारा आयोजित किया गया था, जिसके दौरान एफडीडीआई के बाकी ११ परिसरों के छात्र और संकाय अपने संबंधित परिसरों में आभासी कक्षा सुविधाओं से जुड़े हुए थे। सत्र बहुत उपयोगी और संवादात्मक रहा।

एफडीडीआई, हैदराबाद में आयोजित 'बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर)–पेटेंट और डिजाइन प्रक्रिया' पर ई–कार्यशाला

'बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पेटेंट और डिजाइन प्रक्रिया' पर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से २५ नवंबर, २०२१ को एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में एक ई-कार्यशाला आयोजित की गई थी।

राजीव गांधी राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा प्रबंधन संस्थान (RGNIIPM), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक संस्था के सहयोग से हैदराबाद परिसर के एफडीडीआई स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (FSFDP) ने इसका आयोजन किया। श्रीमती पूजा विशाल मौलीकर मुख्य वक्ता थीं जो वर्तमान में आरजीएनआईपीएम, हैदराबाद में पेटेंट और डिजाइन के परीक्षक, आहरण और संवितरण अधिकारी और केंद्रीय जन सूचना अधिकारी हैं। वह बी टेक हैं। औद्योगिक बायोटेक्नोलॉजिस्ट और एम. टेक बायोकेमिकल इंजीनियरिंग और बायोटेक्नोलॉजिस्ट के साथ लगभग ७ साल का कार्य अनुभव उनके पास है।

एक प्रस्तुति के माध्यम से, श्रीमती पूजा ने आईपी कार्यालय, पेटेंट सूचना प्रणाली (पीआईएस) और आरजीएनआईपीएम, ट्रेडमार्क और विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) के अवलोकन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने लाइसेंसिंग की विभिन्न कुंजी के बारे में भी बताया, जैसे कि अनन्य अधिकार, क्षेत्रीय अधिकार और लाइसेंस योग्य अधिकार। उन्होंने आईपी के महत्व, पेटेंट फाइलिंग और डिजाइन पंजीकरण, ट्रेडमार्क, नवाचार और खोज के बीच अंतर, आविष्कारकों द्वारा सबसे आम गलतियों, आईपीआर के बीच संबंध, नवीनता, आविष्कारशील कदम, भारत में पेटेंट आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया जैसे विषयों पर अंतर्दृष्टि और सलाह प्रदान की। पेटेंट फाइलिंग के प्रकार और ई-फाइलिंग प्रक्रिया पर मार्गदर्शन किया।

मुख्य वक्ता- श्रीमती पूजा विशाल मौलीकर

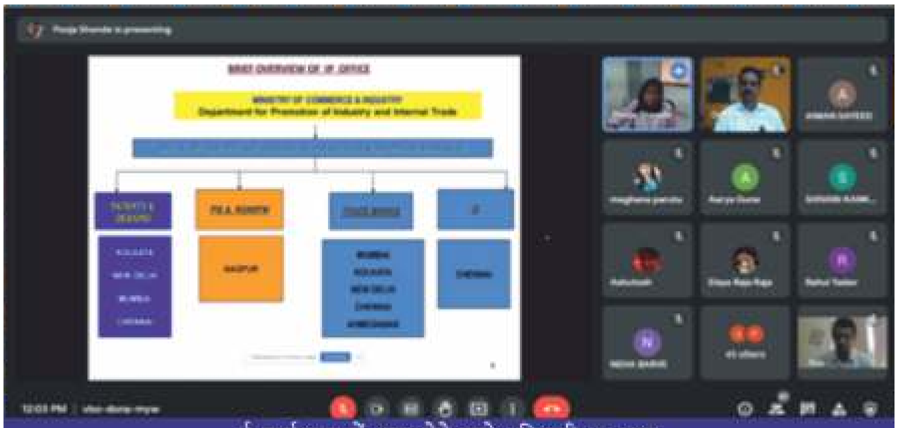

ई-कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागी का दृश्य

यह सत्र एफडीडीआई के १२ परिसरों और अन्य संस्थानों के छात्रों, संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों सहित १४० से अधिक प्रतिभागियों को आईपीआर के अन्यथा अस्पष्ट विषयों की समझ पर अधिक स्पष्टता लाने में सफल रहा।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में आयोजित प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पर जागरूकता कार्यक्रम

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) योजना पर जागरूकता कार्यक्रम जिसे खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।२५ नवंबर २०२१ को एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में आयोजित किया गया था।

एफडीडीआई, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के सहयोग से राज्य कार्यालय (पंजाब राज्य और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़) ने इसका आयोजन किया।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान श्री के.सी. राय, केवीआईसी राज्य निदेशक और श्री वेद प्रकाश, सहायक निदेशक, केवीआईसी चंडीगढ़ ने प्रतिभागियों को पीएमईजीपी योजना के बारे में जानकारी दी, जो छोटे और मध्यम स्तर के विनिर्माण और सेवा ऊधमों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है।

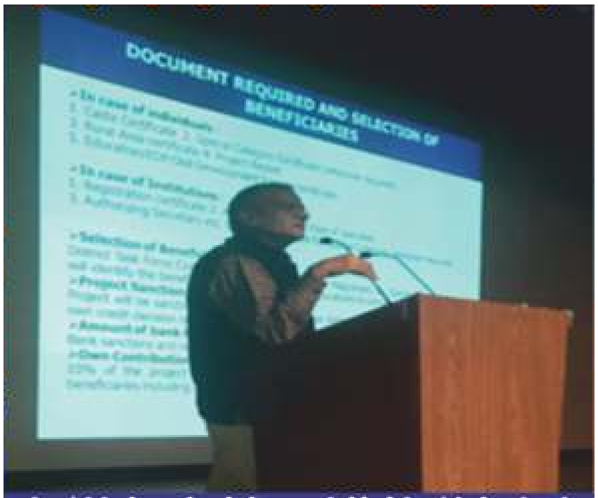

पीएमईजीपी योजना के बारे में जानकारी देते केवीआईसी के अधिकारी

उन्होंने एक प्रस्तुति के माध्यम से बताया कि पीएमईजीपी योजना के माध्यम से भारत सरकार का मुख्य उद्देश्य ऐसे उद्यमियों का निर्माण करना है जो अपने लिए और दूसरों के लिए भी रोजगार पैदा कर सकें, ताकि मौजूदा ढांचे पर रोजगार उपलब्ध कराने के दबाव को कम किया जा सके। उन्होंने योजना के अवलोकन और योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम में FDDI, चंडीगढ़ बनूर के छात्रों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

एफडीडीआई, नोएडा में 'स्नीकर डिजाइन 2021 – 24 घंटे 'चौलेंज' पर ई–कार्यशाला का आयोजन

एफडीडीआई, नोएडा में एक दो दिवसीय डिजाइन नवाचार ई-कार्यशाला स्नीकर डिजाइन २०२१ - २४ घंटे 'चौलेंज' का आयोजन २३ से २४ नवम्बर २०२१ को किया गया।

एफडीडीआई, स्कूल ऑफ फुटविवर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफएसएफडीपी) ने अंतिम वर्ष के डिजाइन छात्रों को पढ़ाने के दौरान 'स्नीकर' पर व्यक्तिगत डिजाइन दृष्टि को पोषित करने के उद्देश्य से ई-कार्यशाला का आयोजन किया, उन्हें विपणन योग्य उत्पाद बनाने के लिए आवश्यक कौशल, जो उपभोक्ता चाहते हैं को सिखलाया।

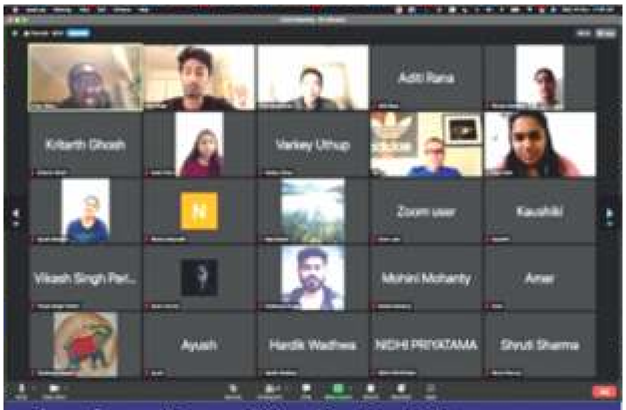

ई-कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का एक दृश्य

डिजाइन प्रक्रिया सत्र का एक दृश्य

श्री विदित सिंह, जिन्होंने पोर्टलैंड, ओरेगॉन, यूएसए में स्थित पेनसील फुटवियर डिजाइन अकादमी में फुटवियर और अपैरल इनोवेशन डिजाइन का अध्ययन किया और वर्तमान में कॉलेज फॉर क्रिएटिव स्टडीज, डेट्रायट, मिशिगन, यूएसए में उत्पाद डिजाइन के छात्र हैं, ने कार्यशाला का संचालन किया।